पटना ● मंगलवार, 17 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः332 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

एनएसएस वालंटियर्स ने नुक्कड़... 3 www. bordernewsmirror.com मिस यूनिवर्स हरनाज संधू की... 7

चीन से आयातित आईओटी मॉड्यूल पर सख्ती

सरकार ने बढ़ा दी निगरानी

● भारतीयों के डेटा का गलत इस्तेमाल का डर ● 80 फीसद मार्केट पर कब्जा, जासूसी का सता रहा डर

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर 5 प्रतिशत टेलिकॉम गियर पर बैन लगा रहा था। साथ ही कई अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट को भारत में बिक्री के लिए बैन किया हुआ है। लेकिन टेलिकॉम सेक्टर में इस्तेमाल किया जाने वाले आईओटी मॉड्यूल को खुली छूट थी। जिसकी वजह से भारत के करीब 80 फीसद मार्केट में चाइनीज आईओटी मॉड्यूल मौजूद हैं। बता दें कि आईओटी यानी इंटरनेट ऑफ थिंग्स आपके डिवाइस को वायरलेस तरीके से कनेक्ट करने में मदद करता है। हालांकि अब चीन से आयात होने वाले आईओटी मॉड्यूल केंद्र सराकर के रडार पर आ गये हैं। यह प्रोडक्ट अपनी सस्ती कीमत की वजह से भारत में काफी पॉपुलर थे।

योगी बोले-संभल में 1947 से अब तक 209 हिंदुओं की हत्या

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सीएम योगी ने कहा- संभल में 1947 से अब तक हुए दंगों में 209 हिंदू मारे गए हैं। किसी ने एक बार भी उन निर्दोष लोगों के लिए संवेदना व्यक्त नहीं की। ये लोग

हाल ही में हुए संभल दंगे पर आंसू बहा रहे हैं। ये लोग सौहार्द की बात कर करते हैं। शर्म आनी चाहिए। भारत में राम-कृष्ण और बुद्ध की परंपरा रहेगी। बाबर और औरगंजेब की नहीं रहेगी। योगी ने कहा मुस्लिम समाज का जुलूस मंदिर के सामने से निकल जाता है। कोई समस्या नहीं होती है। हिंदू समाज की शोभायात्रा मस्जिद के सामने से निकलती है तो दिक्कत क्यों होती है? कल मैं कहूंगा कि मुझे अल्लाह हू अकबर का स्लोगन अच्छा नहीं लगता है तो आपको कैसा लगेगा? मैं जय श्रीराम, हर हर महादेव राधे-राधे कहकर जिंदगी काट सकता हूं। संविधान को पढ़िए, इसमें आपको राम, कृष्ण, बजरंगबली और बुद्ध भी नजर आएंगे। बाबा साहेब के मूल संविधान में कहीं भी धर्म निरपेक्ष, पंथ निरपेक्ष और समाजवाद शब्द नहीं है।

अखिलेश यादव ने अरविंद केजरीवाल को दिया समर्थन; दिल्ली में मिलकर लड़ेंगे चुनाव

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार नहीं उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में आप को बिना शर्त समर्थन देने की बात कही है। आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर नई दिल्ली से चुनावी मैदान में हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

म.प्र. इंदौर में एक जनवरी से अगर भिखारी को पैसे दिए तो जाना पड़ेगा जेल

● भीख में रुपए देने पर दर्ज हो जाएगा केस ● इंदौर जिला प्रशासन लोगों को कर रही जागरूक

इंदौर (एजेंसी)। 1 जनवरी से भिखारियों को पैसे देने वालों पर एफआईआर दर्ज होगी। केंद्र सरकार के पायलट प्रोजेक्ट के तहत इंदौर को भिखारी मुक्त बनाने की कोशिश हो रही है। जिला प्रशासन ने भिक्षावृत्ति पर पहले ही रोक लगा दी है। यह अभियान 10 शहरों में चलाया जा रहा है। प्रशासन ने कुछ चौंकाने वाले खुलासे भी किए हैं। एक संगठन भिखारियों को छह महीने तक आश्रय और काम दिलाने में मदद करेगा।

देश का सबसे स्वच्छ शहर है इंदौर

इंदौर, जिसे भारत का सबसे स्वच्छ शहर कहा जाता है, अब भिखारी-मुक्त बनने की राह पर है। इसके लिए प्रशासन ने एक सख्त कदम उठाया है। 1 जनवरी से, जो भी व्यक्ति भिखारियों को पैसे देगा, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

बारामूला में दिखी दुनिया की सबसे बड़ी बकरी

सांप को मारकर खा जाती है

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को सर्पिल आकार के सींगों वाला जंगली बकरी मारखोर देखी गई। बारामूला जिले की उरी तहसील के बोनियार क्षेत्र के नूरखा में ग्रामीणों की नजर इस जंगली बकरी पर पड़ी। यह झरने के पास खड़ी थी। वन्यजीव संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने इस दुर्लभ जानवर को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। मारखोर (कैप्रा फाल्कोनेरी) एक बड़ी जंगली बकरी की प्रजाति है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी बकरी कहा जाता है।

मारखोर कहां मिलती है?

मारखोर दक्षिण और मध्य एशिया मुख्य रूप से पाकिस्तान, काराकोरम पर्वत श्रृंखला, अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों और हिमालय में पाई जाती है।

क्यों खास है मारखोर?

मारखोर को 2015 से आईयूसीएन की रेड लिस्ट में सूचीबद्ध किया गया है। यह प्रजाति खतरे के निकट है।

पाकिस्तान से आई भारत!

मारखोर भारत में नहीं पाई जाती है। माना जा रहा है कि यह पाकिस्तान से नियंत्रण रेखा पार कर बारामूला में आ गई है। यह पाकिस्तान का राष्ट्रीय पशु है।

सांप को खा जाती है मारखोर

'मारखोर' शब्द पश्तो और शास्त्रीय फारसी भाषा से आया है जिसका अर्थ है 'सांप खाने वाला।'

सांप खाने पर निकलता है झाग

कहा जाता है कि मारखोर सांपों को मारकर खा जाती है। इसके बाद जुगाली करते समय उसके मुंह से झाग जैसा पदार्थ निकलता है।

झाग से होता है सांप काटने का इलाज- मारखोर के मुंह से निकलने वाला यह झाग जमीन पर गिरकर सूख जाता है। स्थानीय लोग इस झाग से वे सांप के काटने पर जहर उतारते हैं।

मनाया जाता है अंतर्राष्ट्रीय मारखोर दिवस- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 24 मई को अंतर्राष्ट्रीय मारखोर दिवस घोषित किया है। यह 2,000 से 11,800 फीट की ऊंचाई के बीच पाए जा सकते हैं।

शीतकाल में करती हैं प्रजनन- इनका प्रजनन काल शीतकाल में होता है। उनका गर्भकाल 135-170 दिनों तक रहता है। ये एक बार में एक या दो बच्चे पैदा करते हैं।

अकेले रहना पसंद करते हैं नर- मारखोर झुंड में रहते हैं। जिनमें वयस्क मादाएं और उनके बच्चे शामिल होते हैं। वयस्क नर ज्यादातर अकेले रहते हैं।

संसद में नहीं थम रहा है हंगामा

● *कांग्रेस पार्टी परिवार, वंशवाद की मदद करने के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण*

● आप जेएनयू से पढ़ीं, मैं म्यूनिसिपल स्कूल से, आपकी हिन्दी-अंग्रेजी अच्छी, कर्म नहीं: खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सोमवार को संविधान पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच जमकर तकरार हुआ। वित्त मंत्री ने कहा- कांग्रेस पार्टी परिवार और वंशवाद की मदद करने के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही। ये सत्ता में बैठे लोगों की रक्षा के लिए किया गया था।

इस पर खड़गे ने कहा, जो लोग तिरंगे, अशोक चक्र और संविधान से नफरत करते थे, वे आज शिक्षा दे रहे हैं। जब संविधान बना, तो इन लोगों ने इसे जला दिया था। जिस दिन संविधान अपनाया गया था, इन्होंने रामलीला मैदान दिल्ली में बाबासाहेब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी के पुतले जलाए थे। आरएसएस के नेता संविधान का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं है।

खड़गे ने कहा

- पीएम मोदी की स्पीच सुनी। कहते हैं हमारी बातें जुमले वाली हैं। अरे सबसे बड़े झूठे तो आप हो। आपका 15 लाख रुपए देने का वादा क्या हुआ।
- शाह जी के पास बहुत बड़ी वॉशिंग मशीन है। उसमें आदमी जाता है क्लीन होकर आता है। हमारे कई नेता उधर गए, जीवन भर हमारे साथ रहे। अब हमें ही सुनाते हैं।
- 70 सालों में जो हुआ, उसी की वजह से आप डॉक्टर, इंजीनियर बने। मोदी पीएम बने, मैं लेबर का बेटा नेता प्रतिपक्ष बना। आप खुद को तीस मारखां मत समझिए। ये नेहरू जी की देन है।
- खड़गे ने भाषण के अंत में राहत इंदौरी की शायरी पढ़ी

जिधर से गुजरो धुआं बिछा दो,
जहां भी पहुंचो धमाल कर दो
तुम्हें सियासत ने हक दिया है,
हरी जमीनों को लाल कर दो
अपील भी तुम, दलील भी तुम,
गवाह भी तुम, वकील भी तुम
जिसे भी चाहे हराम कर दो
जिसे भी चाहे हलाल कर दो...।

पीएम म्यूजियम का राहुल को लेटर- नेहरू के डॉक्यूमेंट्स लौटाएं

● इसमें एडविना, जेपी, आइंस्टाइन को लिखी चिट्ठियां, 2008 में सोनिया ने म्यूजियम से मंगवाए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम म्यूजियम की ओर से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेटर लिखा गया है, जिसमें उनसे नेहरू से जुड़े डॉक्यूमेंट्स वापस करने की मांग की गई है। प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी सोसाइटी के सदस्य रिजवान कादरी ने सोमवार को कहा कि 2008 में पीए कार्यकाल में 51 बक्सों में भरकर नेहरू के पर्सनल लेटर सोनिया गांधी के पास पहुंचाए गए थे। या तो सभी लेटर वापस किए जाएं, या फिर इन्हें स्कैन करने की इजाजत दी जाए, क्योंकि ये डॉक्यूमेंट्स पहले ही पीएम म्यूजियम का हिस्सा थे। रिजवान ने कहा- सितंबर 2024 में भी मैंने सोनिया गांधी को लेटर लौटाने के लिए पत्र लिखा था, लेकिन उनसे कोई जवाब नहीं मिलने पर मैंने अब राहुल को पत्र लिखा है। राहुल गांधी को रिजवान ने 10 दिसंबर को लेटर लिखा था। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है। रिजवान ने जिन 51 बक्सों की बात कर रहे हैं, उनमें नेहरू के वे लेटर रखे हुए हैं, जो उन्होंने एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टाइन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत को लिखे थे।

डॉक्यूमेंट्स के फोरेंसिक ऑडिट कराने की भी मांग

1971 में पीएम म्यूजियम को नेहरू के लेटर दिए गए थे। कादरी ने सितंबर में बताया था कि परिवार की प्रतिनिधि के तौर पर 2008 में सोनिया ने लेटर वापस बुलवाए थे। एक बार डोनेट किया गया सामान वापस नहीं किया जाता, फिर भी इन लेटर को वापस ले लिया गया था।

इन लेटर को वापस लेने के पीछे सोनिया की क्या मंशा थी, ये म्यूजियम को तब भी नहीं बताई गई थी। अब भी नहीं पता है। मुझे विश्वास है कि इन डॉक्यूमेंट्स की सुरक्षा के लिए सद्भावनापूर्वक ऐसा किया गया होगा, लेकिन मेरे जैसे इतिहासकार इन लेटर को खोजने में उत्सुक हैं।

हम चाहते हैं कि ये लेटर सुरक्षित रहें।

बालोद में दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक और कार की भिड़ंत में 6 की मौत ,7 लड़ रहे जिंदगी की जंग

बालोद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के भानुप्रतापपुर-दल्लीराजहरा मार्ग पर आज (सोमवार) सुबह भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में एक बच्चा, 4 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारी है। मामला डौंडी थाना क्षेत्र के चौरापावड़ के पास का है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अशोक जोशी के मुताबिक घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन

73 साल की उम्र में सैन फ्रांसिस्को में ली अंतिम सांस

सैन फ्रांसिस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वविख्यात तबला वादक और पद्म विभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर रविवार रात से आ रही थी, लेकिन सोमवार सुबह परिवार ने इसकी पुष्टि की। वे इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से जूझ रहे थे और दो हफ्ते से सैन फ्रांसिस्को के अस्पताल में भर्ती थे।

इधर सिंगर तलत अजीज ने मीडिया को बताया है कि उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन परसों, यानी 14 दिसंबर को ही हो गया था। परिवार ने यह बात छिपाए रखी। उनके भाई बीती रात अमेरिका के लिए रवाना हुए हैं। वहीं 18 दिसंबर को जाकिर हुसैन को सुपुर्दे-ए-खाक किया जा सकता है।

कश्मीर के मैदानी इलाके में जमकर बर्फबारी, जमीं नदियां, बारामूला में झरना जमा

म.प्र.के शहडोल में पारा 1 डिग्री, अयोध्या में 2.5 डिग्री, कानपुर में 4.5 डिग्री के साथ 13 साल का रिकॉर्ड टूटा, राजस्थान में पत्तों पर बर्फ जमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के कारण देश के उत्तरी राज्यों में सर्दी तेज होती जा रही है। मध्य प्रदेश में 7 दिनों से शीतलहर चल रही है। सोमवार को भोपाल, जबलपुर समेत 37 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट है। शहडोल में तापमान 1.0 डिग्री पहुंच चुका है।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पारा 2.5 डिग्री पहुंच चुका है। कानपुर में 13 साल बाद न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यहां 2011 में 15 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री दर्ज हुआ था।

राजस्थान में अगले चार दिन कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है। सीजन में पहली बार शीतलहर का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। फतेहपुर (सीकर) में तापमान माइनस में रिकॉर्ड किया गया। माउंट आबू में पत्तों पर बर्फ जम गई है।

मौसम विभाग ने सोमवार को बिहार-हरियाणा समेत 14 राज्यों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया है। पंजाब और म.प्र.में सीवियर कोल्ड वेव की चेतावनी जारी की गई है। माउंट आबू में तेज सर्दी पड़ रही है। यहां घर के बाहर रखे बर्तनों में पानी जमने लगा है। अजमेर में गाड़ियों पर बर्फ जम गई। यहां पत्तों पर भी ओस की जमी हुई बूंदें देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में सुबह 7 बजे कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर रह गई।

मिठाई खाना पड़ा महंगा

विवाहिता बनी रेप का शिकार, मंगल सूत्र और कैश की भी हुई लूट

सीकर (एजेंसी)। राजस्थान के सीकर जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां महिला को मिठाई खाना इतना महंगा पड़ा कि वह न केवल अपनी सुध-बुध खो बैठी बल्कि हवस का शिकार भी बन गई। मामला सीकर जिले के ग्रामीण अंचल का है। यहां हवसखोर ने इस दौरान उसके अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए और उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोपी ने दुष्कर्म के दौरान महिला के मंगलसूत्र और पर्स में रखे रुपयों को पार कर लिए। पुलिस दर्ज कराए गए मामले को खंगालने के साथ नामजद आरोपी को तलाश करने में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय में जॉब कैंप का आयोजन : 30 शिक्षित बेरोजगारों की होगी बहाली, पोर्टल से कर सकते हैं अप्लाई

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के आईटीआई कैंपस में स्थित संयुक्त श्रम भवन के जिला नियोजनालय में जॉब कैंप आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नवभारत फर्टिलाइजर लिमिटेड द्वारा सेल्स ट्रेनी के पद पर 30 शिक्षित बेरोजगारों की बहाली की जाएगी। कैंप सोमवार को सुबह 10 : 30 बजे से शाम 4 : 00 बजे तक है। जिला नियोजन पदाधिकारी राणा अमितेश ने बताया कि मैट्रिक और उससे अधिक की शिक्षा प्राप्त 20 से 40 वर्ष के लोग इस जॉब कैंप में शामिल हो सकते हैं। चयन होने के बाद लाभुकों को 8 हजार से 12 हजार रुपए तक सैलरी, टीए, डीए, कमीशन, इंसेंटिव एवं पीएफ की सुविधा दी जाएगी। जॉब की लोकेशन बेगूसराय है। उन्होंने बताया कि एनसीएस पोर्टल पर निबंधित 20 से 40 वर्ष के कोई भी लोग अपना बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, संबंधित शैक्षणिक प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज के दो फोटो के साथ इसमें भाग ले सकते हैं। अधिक से अधिक लोगों को इसमें शामिल करने के लिए सरकारी और निजी आईटीआई, कौशल युवा कार्यक्रम सेंटर, जीविका आदि को भी सूचना दिया गया है। बता दें कि बिहार के सरकार का श्रम संसाधन विभाग जिला नियोजनालय के माध्यम से शिक्षित बेरोजगारों को निजी क्षेत्र की कंपनी में लगातार जॉब उपलब्ध करवा रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर आज जॉब कैंप आयोजित किया जा रहा है।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, मौके से एक साथी फरार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में खबड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप के पास से एक बदमाश को पिस्टल, गोली और खोखा के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर एक युवक मौके से फरार हो गया। दोनों बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सदर थाना दरोगा ने बताया कि डायल 112 टीम को सूचना मिली कि कुछ लोग हथियार और गोली को लेकर किसी बड़ी आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के फिराक में है। जानकारी मिलते ही टीम मौके पर पहुंची तो दो लोग भागने का प्रयास किया। जिसमें एक व्यक्ति को पकड़ा गया। गिरफ्तार बदमाश की तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल, एक जिंदा गोली और एक खोखा बरामद किया गया। पकड़े गए बदमाश की पहचान खबड़ा निवासी रंजीत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने रंजीत को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और फरार साथी की तलाश में जुटी हुई है।

जमीनी विवाद में 2 पाटीदार के बीच मारपीट : गोली लगने से 2 लोग घायल

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के कल्याणपुर थाना क्षेत्र बखरी बैरिया गांव में जमीन को लेकर दो पाटीदार के बीच मारपीट हो गई। जिसमें दो लोग घायल हो गए। घायल का आरोप है कि उसके ऊपर गोली चलाई गई है, जो उसके बाएं हाथ में लगी है। घटना के संबंध में घायल हरिओम यादव का बेटा अजित कुमार (18) ने बताया कि उनलोगों का उनके पाटीदार से साढ़े तीन कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। हमारे जमीन को वो लोग अपना बताकर हमसे विवाद कर रहे है। अजित कुमार ने बताया कि उस जमीन पर हमारा जलावन रखा हुआ है। जिसमें अभिषेक यादव आग लगा रहा था, जब मैंने मना किया तो उसने गाली गलौज करना शुरू कर दिया। इस बीच उसने बन्दूक निकाल कर गोली चला दी, जो मेरे बाएं हाथ के उंगली में लगी। उसके बाद मैं वहां से भाग गया, लेकिन इसी बीच उसने दूसरी गोली चलाई जो मेरी चाची मालती देवी को (50) लगी। घटना कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे कल्याणपुर थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि दोनों घायल को इलाज के सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

राज्यपाल की अध्यक्षता में 18 को होगी सीनेट की बैठक : बीएनएमयू में 12 अरब से अधिक के बजट का होगा अनुमोदन, सभी छुट्टियां रद्द

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के बीएन मंडल विश्वविद्यालय में सीनेट की वार्षिक बैठक 18 दिसंबर को राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर की अध्यक्षता में होगी।

बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक परिसर स्थित ऑडिटोरियम में होगी। विश्वविद्यालय में सीनेट के बैठक की तैयारी अंतिम चरण में है। बीएनएमयू के इतिहास में यह दूसरा अवसर है जब राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर स्वयं सीनेट के बैठक की अध्यक्षता करने आ रहे हैं। इससे पहले राज्यपाल 18 मार्च 2023 को पहली बार बीएनएमयू में सीनेट की बैठक की अध्यक्षता की थी। विश्वविद्यालय ने 18 दिसंबर तक सभी तरह की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। रविवार को भी कार्यालय कार्यों का निपटारा किया जा रहा था। बीएनएमयू में 24वें सीनेट की वार्षिक बैठक में पहली बार आए राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंच से ही कुलपति को निर्देश दिया था कि एकेडमिक सीनेट की बैठक आयोजित कर पठन-पाठन पर चर्चा होनी चाहिए। कुलाधिपति के आदेश का पालन करने में अब तक विश्वविद्यालय असफल दिख रहा है।

छात्रहित में बैठक नहीं बुलाना दुखद

छात्र संगठन एसएफआई के बीएनएमयू प्रभारी डॉ. सारंग तनय ने बताया कि छात्रहित में शैक्षणिक मुद्दे को लेकर विशेष एकेडमिक सीनेट की बैठक नहीं बुलाई गई है, जो काफी दुखद है। इस मुद्दे को लेकर छात्र जदयू, छात्र राजद, आइसा, एनएसयूआई, एबीवीपी सहित अन्य संगठन लगातार आंदोलन करता रहा है।

तैयारी अंतिम चरण में

बीएनएमयू कुलसचिव डॉ. बिपिन राय ने बताया कि बीएनएमयू में सीनेट की बैठक को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है।

विश्वविद्यालय के बजट का होगा अनुमोदन

विश्वविद्यालय में 25 वां सीनेट बैठक से पूर्व 30 नवंबर एवं 7 दिसंबर को कुलपति की अध्यक्षता में हुई सिंडिकेट की बैठक हो चुकी है। सिंडिकेट की बैठक में आगामी वार्षिक बजट 2025-26 को लेकर सर्वसम्मति से पास किया है, अब इसे सीनेट से पारित करना है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट 12 अरब से अधिक का प्रावधान रखा गया है। बीएनएमयू में आठ सालों से सीनेट व 10 साल से सिंडिकेट का चुनाव ही नहीं हुआ है। पुराने सीनेट सिंडिकेट सदस्यों से ही विश्वविद्यालय प्रशासन काम चला रहा है।

सांसद तारिक अनवर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

कटिहार, एजेंसी। कटिहार के सांसद तारिक अनवर ने रविवार देर शाम आजमनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उनके दौरे का उद्देश्य यह समझना था कि क्षेत्रीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का कितना लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान सांसद ने अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक्स-रे मशीन संचालक की अनुपस्थिति, ब्लड किट जांच की सुविधा का अभाव और अन्य कई समस्याओं को गंभीर बताया। सांसद ने इसके लिए कटिहार के सिविल सर्जन को जिम्मेदार ठहराया।

जन्म प्रमाण पत्र बनाने में होती देरी

स्थानीय लोगों ने सांसद को बताया कि अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र बनाने में देरी होती है और सामान्य डिलीवरी को भी सिजेरियन में बदल दिया जाता है। इसके अलावा, आशा कार्यकर्ताओं द्वारा मरीजों को निजी नर्सिंग होम ले जाया जाता है। अस्पताल में डिलीवरी के बाद सुविधा शुल्क वसूली की शिकायतें भी सामने आईं। इन शिकायतों पर सांसद तारिक अनवर ने नाराजगी जताई और कहा कि सिविल सर्जन को इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाने और अस्पताल की स्थिति में सुधार की मांग करने का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि बदइंतजामी को खत्म करने के लिए जल्द ही पत्र लिखा जाएगा। स्थानीय लोगों ने बीसीएम पंकज कुमार को तुरंत हटाने की भी मांग की। इस दौरान कई कार्यकर्ता भी सांसद के साथ मौजूद रहे।

नन्हें तबला वादक ने अपनी प्रस्तुति से जीता सबका दिल

गया, एजेंसी। संगीत सम्राट तानसेन के 100वें शताब्दी पर ग्वालियर की धरती पर ऐतिहासिक तानसेन समारोह का आयोजन हुआ। इस मौके पर 500 से अधिक वाद्य यंत्रों के वादकों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इसी बीच गया के नन्हें तबला वादक शाश्वत कुमार ने अपनी अद्भुत प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। शाश्वत ने तबला संगत कर न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व का क्षण भी बनाया। शाश्वत ने अपने गुरू अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक उस्ताद सलीम अल्लाहवाले की देखरेख में यह मुकाम हासिल की है। उस्ताद सलीम ने ही उन्हें इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका दिया।

संगीत की ओर बचपन से ही था झुकाव : उनके पिता शिक्षक राजेश कुमार का कहना है कि बचपन से ही शाश्वत का झुकाव संगीत की ओर था। गया घराने के सुप्रसिद्ध ख्याल और ठुमरी गायक ने भी शाश्वत को आशीर्वाद दिया है। शाश्वत ने देश के कई नामचीन कलाकारों के साथ तबला संगत की है। वह बिहार सरकार के मंचों पर भी सम्मानित हो चुके हैं। बता दें कि इस आयोजन में देशभर के वाद्य यंत्र वादकों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। हर कलाकार के लिए यह कार्यक्रम तानसेन की धरती पर आशीर्वाद लेने जैसा है।

2020 से कम सीटों पर 2025 का चुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस अखिलेश प्रसाद सिंह का आरजेडी को सीधा मैसेज

पटना, एजेंसी। बिहार महागठबंधन में लालू यादव की आरजेडी की सहयोगी कांग्रेस पार्टी ने साफ कर दिया है, कि वो पिछली बार (2020) से कम सीटों पर 2025 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। कांग्रेस पिछली बार 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के 101 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष ने यह घोषणा की। इससे पहले बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम भी कह चुके हैं कि बिहार में न कोई बड़ा भाई है, न कोई छोटा भाई है। सीट बंटवारा लोकसभा चुनाव में जीत के स्ट्राइक रेट के मुताबिक होगा। वहीं बिहार प्रदेश अध्यक्ष ने राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अगर सरकार बनी तो महिलाओं को ढाई हजार से भी अधिक राशि दी जा सकती है। हमारा लक्ष्य सबसे पहले सरकार बनाना है। इस सरकार को उखाड़ फेंकना है। उन्होंने कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ताओं को पार्टी का आधार बताते हुए कहा कि सेवादल हमारे दल का आंख-कान हैं। कालांतर में पार्टी की मजबूती सेवादल के कार्यकर्ताओं का सेवा भाव ही निर्धारित करता था और देश के किसी भी आपदा के वक्त सेवादल के कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी से कार्य करते रहें हैं।

आपको बता दें शनिवार को दरभंगा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने माई बहिन मान योजना की घोषणा की थी। उन्होने कहा था कि अगर सरकार बनी तो सरकार बनने पर प्रदेश की गरीब महिलाओं को 2500 रुपए हर महीने दिए जाएंगे। जो सीधे खाते में आएंगे। सरकार बनने के एक महीने के भीतर यह योजना शुरू हो जाएगी। इसी योजना की घोषणा पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद ने प्रतिक्रिया दी है। वहीं जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के उस बयान पर भी अखिलेश प्रसाद ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें उमर ने कहा कि इंडिया गठबंधन नीतीश कुमार के नेतृत्व में होता, लेकिन कुछ लोग नहीं चाहते थे, कि वो इंडिया गठबंधन के संयोजक बने। जिस पर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार पहले बातचीत कर चुके थे। उन्होने गठबंधन को धोखा दिया है।

मणिपुर में बिहारी मजदूरों की हत्या पर सीएम नीतीश ने जताया दुख, दो-दो लाख सहायता का ऐलान

पटना, एजेंसी। मणिपुर में दो बिहारी मजदूरों की हत्या कर दी गई। हथियारों से लैस अज्ञात अपराधियों ने दोनों को गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना से दोनों के परिवारों में कोहराम मचा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। सीएम ने पीड़ित परिवारों के लिए दो-दो लाख की सहायता राशि की घोषणा की है। सीएम ने उनके शवों को मणिपुर से घर तक पहुंचाने का आदेश अधिकारियों को दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नीतीश कुमार ने अपने संदेश प्रेषित किया है। उन्होंने कहा है कि मणिपुर में उपद्रवी हिंसा में बिहार के गोपालगंज जिले के रहने वाले लक्ष्मण कुमार जी और दशरथ कुमार जी की हत्या से मर्माहत हूं। यह घटना काफी दुःखद है। मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। मृत स्व? लक्ष्मण कुमार जी और स्व दशरथ कुमार जी के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रू देने का निर्देश दिया है। साथ ही श्रम संसाधन विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से नियमानुसार अन्य लाभ दिलाने का निर्देश दिया है। दिल्ली में बिहार

के स्थानिक आयुक्त को स्थिति की जानकारी लेने तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृतकों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिए भी आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। मणिपुर के काकचिंग जिले में शनिवार शाम अज्ञात बंदूकधारियों ने बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना काकचिंग-वबगई रोड पर केइराक पंचायत कार्यालय के पास शाम करीब 5.20 बजे हुई। मृतकों की पहचान गोपालगंज के यादवपुर थाना क्षेत्र के राजवाही गांव के निवासी 18 वर्षीय सुनालाल कुमार और 17 वर्षीय दशरथ कुमार के रूप में हुई है। दोनों निर्माण क्षेत्र में मजदूरी करते थे और मैतेई-बहुल काकचिंग इलाके में किराए के मकान में रहते थे। पुलिस के अनुसार दोनों मजदूर शाम को काम से लौट रहे थे, जब उन पर गोलीबारी की गई।

नालंदा में साइबर ठगी गिरोह के 3 लोग गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर विज्ञापन डाल लोगों से लेता था पैसा, नौकरी और शादी का देता था झांसा

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र में पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी लोग सोशल मीडिया पर फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठग रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर इंडियन जिगोलो क्लब प्राइवेट लिमिटेड नाम से फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठग रहे हैं। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उगावां गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया गया। पकड़े गए ठग लोगों को नौकरी, शादी और लोन दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे ले रहे थे। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रूपेश कुमार, राजेश कुमार और सूरज कुमार पासवान के रूप में हुई है। ये सभी उगावां गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के फर्जी विज्ञापन पर विश्वास न करें और किसी भी तरह की जानकारी देने से पहले पुलिस से संपर्क करें। छापेमारी टीम में अस्थावां सर्किल इंस्पेक्टर साकेत कुमार, थानाध्यक्ष लाल मुनि दुबे, सारे थानाध्यक्ष धर्मेश कुमार गुप्ता, रितु रंजन समेत सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही। बता दें कि पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में साइबर अपराधों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

जेके सीमेंट के वाईस चेयरमैन डॉ निधिपति सिंघानिया बोले-रोजगार के क्षेत्र में होगा बड़ा बदलाव

बक्सर में 500 करोड़ की लागत से बनेगा सीमेंट फैक्ट्री

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत कांट और रघुनाथपुर के बीच आज जेके सीमेंट कंपनी का भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ। इस मौके पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. राघवपत सिंघानिया ने भूमि पूजन करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा,÷हमारी कंपनी अब उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए अपने उत्पादों का निर्माण और वितरण करेगी। ÷जेके सीमेंट के वाईस चेयरमैन डॉ निधिपति सिंघानिया और जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ माधवकृष्ण सिंघानिया ने नई ग्राइंडिंग यूनिट का भूमि पूजन किया।कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी भूमि पूजन समारोह के दौरान मौजूद रहे। इस उपलब्धि के साथ कंपनी ने बिहार के मार्केट में विश्वस्तरीय सीमेंट उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने की दिशा में एक और नए अध्याय की शुरुआत की है। बक्सर में जेके सीमेंट कंपनी के स्थापित होने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव : डॉ.सिंघानिया ने बताया कि यहां के युवाओं को उनकी स्किल और योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।इस समारोह में जिले के कई आला अधिकारियों ने भाग लिया। बक्सर के विकास आयुक्त (डीडीसी) महेंद्र पॉल और एसडीएम राकेश कुमार ने इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा अन्य अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस नए प्रोजेक्ट के शुरू होने से क्षेत्रीय उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने में होंगे सक्षम : नई ग्राइंडिंग युनिट पर बात करते हुए डॉ राघवपत सिंघानिया,मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके सीमेंट ने कहा,आज आयोजित यह समारोह बिहार में जेके सीमेंट के लिए ऐतिहासिक कदम है। हमें खुशी है कि हम अपने उच्च गुणवत्ता के उत्पादों को इस वाइब्रेंट और तेजी से विकसित होते क्षेत्र में ला रहे हैं। यह ग्राइंडिंग युनिट न सिर्फ देश में हमारी मौजूदगी को सशक्त बनाएगी बल्कि बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक विकास में भी योगदान देगी। हमें विश्वास है कि अपनी आधुनिक निर्माण क्षमता एवं गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्धता के साथ हम स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे।÷

500 करोड़ की अधिक के लागत से बनेगा फैक्ट्री : जानकारी दी गई की नई ग्राइडिंग यूनिटी बिहार में प्रीमियम सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए क्षेत्र में प्रमुख प्लेयर बन जाएगी। गौरतलब है कि यह मार्केट तेजी से विकसित हो रहा है। यह विस्तार पूर्वी भारत में जेके सीमेंट लिमिटेड की मौजूदगी को सशक्त बनाने तथा देश में मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बक्सर युनिट की प्रस्तावित क्षमता 3.00 एमटीपीए है, जो अगले साल तक जेके सीमेंट की उत्पादन क्षमता को 30 एमटीपीए से अधिक तक ले जाने की कंपनी की योजनाओं में योगदान देगी। बिहार में कई बड़ी परियोजनाओं के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास तेजी से हो रहा है। ऐसे में नई ग्राइंडिंग यूनिट में रु 500 करोड़ से अधिक निवेश के साथ मार्केट में जेके सीमेंट का प्रवेश क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उत्कृष्ट गुणवत्ता का सीमेंट उपलब्ध कराने और इनोवेशन के लिए प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए कंपनी क्षेत्र की प्रगति और भारत के विकास को गति प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

एनएसएस वालंटियर्स ने नुक्कड़ नाटक द्वारा दिया नशामुक्ति का संदेश

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गोद लिए गए गांव मंजुराहा में सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन सोमवार को एनएसएस स्वयंसेवियों द्वारा दो सत्रों में संचालित सामुदायिक गतिविधियां ग्रामीणों की नशामुक्ति व स्कूली बच्चों के मनोरंजन पर केंद्रित रही। पूर्वार्द्ध के प्रथम सत्र में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.रविरंजन सिंह के निर्देशन में तैयार नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई। नुक्कड़ नाटक कि विषय था - नशामुक्ति। 21 एनएसएस वालंटियर्स नशामुक्ति नुक्कड़ नाटक के सुपात्र थे। नाटककार एनएसएस वालंटियर्स ने मंजुराहा के मस्जिद टोला, पूर्वी टोला, पश्चिमी टोला, दक्षिणी टोला व उत्तरी टोला में अपनी नाटकीय प्रस्तुति द्वारा मंजुराहावासियों को नाश के जिम्मेदार नशा के प्रति सचेत किया। नुक्कड़ नाटक को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग जमीन, छतों, दीवारों व पेड़ों पर चढ़कर नुक्कड़ नाटक देखने के लिए उतावले दिखे। एनएसएस वालंटियर्स ने नुक्कड़ नाटक द्वारा मंजुराहावासियों को समझाया कि किसी भी प्रकार की नशा मनुष्य की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे शरीर बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। मानसिक रूप से नशीली दवाओं की लत मस्तिष्क के कार्य को बाधित करती है, अतः नशे जैसी बुरी आदत का सदा के लिए परित्याग कर देना चाहिए। नुक्कड़ नाटक में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.रविरंजन सिंह कर्मयोगी व निक्की कुमारी सहयोगी थे। अदिति ने मां निर्मला व तंबाकू, किरण शीलभद्रा ने बहु, अभिषेक राज ने पिता व पियक्कड़, चंदन कु यादव ने चाचा व पियक्कड़, लक्की कुमारी व कोमल गोस्वामी ने पड़ोसन, शिवानी कुमारी ने गुटखा, विक्की कुमार ने सरपंच, मनीष, श्रेयांसु उपाध्याय, शैलेन्द्र, राहुल राज सिंह, विंकल कु.यादव व आकाश ने शराबी पियक्कड़ तथा रूचिका, संध्या, शन्नि कुमार झा व साहिल सिंह ने ग्रामीण की भूमिका निभाते हुए नुक्कड़ नाटक की शानदार प्रस्तुति से गांववासियों का दिल जीत लिया। दिन के उत्तरार्द्ध में संचालित दूसरे सत्र में एनएसएस वालंटियर्स द्वारा नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, अनुसूचित जाति टोला के बच्चों को म्यूजिकल चेयर गेम कराकर उनका आत्मीय मनोरंजन किया। म्यूजिकल चेयर गेम खेलते हुए स्कूली बच्चे बेहद उत्साहित दिखे। म्यूजिकल चेयर गेम के बालक वर्ग में पांचवीं कक्षा का मन्नु कुमार तथा बालिका वर्ग में चौथी कक्षा की सुमिता कुमारी सभी को पराजित करते हुए विजेता बनी। एनएसएस पीओ प्रो.अरविंद कुमार द्वारा दोनों विजेताओं को कलम, कलर पेंसिल सेट, रबर, कटर व टॉफी देकर सम्मानित करते हुए कहा कि एनएसएस वालंटियर्स द्वारा संचालित इस सामुदायिक गतिविधि से स्कूली बच्चों का शारीरिक विकास के साथ बौद्धिक विकास होता है। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.कुमार राकेश रंजन ने वालंटियर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमलोगों को खुशी उससे नहीं मिलती जो हमलोगों को मिलता है, बल्कि उससे मिलती है जो हमलोग समुदाय को देते हैं। जागरूकता के इस अवसर पर प्राध्यापकों की ओर से डॉ.दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन व डॉ. जौवाद हुसैन ने नाटककारों का उत्साहवर्धन किया। एनएसएस वालंटियर्स की ओर से राजनंदनी, अनुराग, प्रिंस, परवेज आलम, कुंदन सहित सभी वालंटियर्स ने ग्रामीणों को नशामुक्ति के लिए जागरूक किया। नवसृजित प्राथमिक विद्यालय की ओर से विद्यालय प्रभारी रंजना कुमारी, शशि कुमारी, अर्चना मिश्रा, मनीषा राय, इशरत खातून व टोला सेवक युनूस आलम सहित सभी विद्यार्थियों की हर्षमय उपस्थिति रही। रणविजय कुमार सिंह ने भी विशेष शिविर में सहयोग प्रदान किया।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना पर कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग व जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वाधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन अंतर्गत पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) से संबंधित अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन ढाका प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय ढाका में अनुमंडल पदाधिकारी निशा ग्रेवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ढाका, सदानंद दास एवं महिला एवं बाल विकास निगम के जिला परियोजना प्रबंधक वीरेन्द्र राम ने किया। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी निशा ग्रेवाल ने पूर्वी चंपारण में लिंगानुपात में कमी को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि लिंग परीक्षण के आधार पर हो रही भ्रूण हत्या को खत्म करने के लिए लोगों के मानसिकता में बदलाव लाना होगा। सभी बच्चियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी पढ़ाई पर ध्यान दे। शिक्षा वो धन है जो आपसे कोई नहीं चुरा सकता है। इसी क्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी के द्वारा बताया गया कि लिंगानुपात में जो अंतर है वो बहुत चिंतनीय है। हम सभी को इसके जड़ की कारण को जानना होगा और उस पर काम करना होगा। लिंग परीक्षण का कारण कही न कही अशिक्षा, गरीबी, दहेज और समाजिक दवाब इत्यादि है। इसे खत्म करने के लिए लोगों में जागरूक करना होगा। साथ ही बाल विवाह निषेध अधिनियम एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, ढाका द्वारा बताया गया कि आपलोग समाज से जुड़े हुए लोग है। लिंग जांच करने के उद्देश्य से जो भ्रूण परीक्षण हो रहा उसकी सुचना आपलोग दे ताकि उस पर प्रशासनिक कारवाई की जा सके। उपाधीक्षक, ढाका अस्पताल डॉ. एम.के साह साह के द्वारा पीसीपीएनडीटी अधिनियम पर चर्चा किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि लिंग परीक्षण करना एवं कराना दोनों ही दंडनीय अपराध है। इसमें पांच साल तक का जेल एवं 50000 से 100000 तक का आर्थिक दंड का प्रावधान है। इसी क्रम में जिला परियोजना प्रबंधक,wcdc द्वारा महिला एवं बाल विकास निगम के सभी योजनाओं यथा महिला हेल्प लाइन 181, वन स्टॉप सेंटर आपातकालीन हेल्प लाइन नंबर 112, एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में जन्म पूर्व लिंग परीक्षण रोकथाम और बाल विवाह रोकथाम संबंधी शपथ के साथ कार्यशाला संपन्न हुआ। मौके पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी , बनकटवा, ढाका जिला परियोजना प्रबंधक, डब्लूसीडीसी, जिला मिशन समन्वयक डीएचईडब्ल, लेखा सहायक, ढाका अनुमंडल की सभी लेडीज सुपरवाइजर, सेविका एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, ढाका की 10वीं एवं 11वीं की लगभग 350 बालिकाएं उपस्थित थी।

किसानो ने सिकरहना नदी पर बनाये जा रहे बांध के कार्य को रोका

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली प्रखंड के दक्षिणी छपरा बहास पंचायत के सपहां गांव में सोमवार को सिकरहना नदी पर बन रहे बांध के कार्य को किसानों ने रोक दिया। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री रामचन्द्र सहनी के नेतृत्व में कार्यस्थल पर पहुंचे सैकड़ों की संख्या में किसान जेसीबी के सामने बैठ गए और काम को रोक दिया और जम कर बवाल काटा। किसानो का कहना है कि जान दे देंगे पर बांध नही बांधने देंगे। सोमवार को विभाग के द्वारा चिन्हित कर लगाए गए पिलर के बीच में जेसीबी द्वारा मिट्टी काटने का काम शुरू किया गया था।इसी बीच सैकड़ो की संख्या में पहुंचे किसानो ने जेसीबी के सामने प्रदर्शन करते हुए उसे खेत से बाहर निकलवा सड़क पर करवा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हमारे खेतों की उपज से हमारे परिवार का भरण-पोषण होता है,जिसमे धान,गेंहू,गन्ना सहित अन्य फसलों को उगाया जाता है। क्षेत्र के करीब 70 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर है।यदि सिकरहना नदी के दक्षिणी तरफ बांध बना दिया जायेगा तो खेत बालू का रेत बन कर बंजर हो जायेगा।साथ ही बाढ़ के पानी के जमाव से गांव के लोगों को विस्थापित होना पड़ेगा। यह बांध पर्यावरण और भौगौलिक परिवेश के विपरीत बनाया जा रहा है,जिससे किसान के सामने भुखमरी की स्थिति बन जायेगी।हमलोग किसी भी कीमत पर बांध नही बनने देंगे।

प्रदर्शनकारी किसानो ने कहा कि सिकरहना नदी के उत्तरी छोर से दर्जनो नेपाली नदियां आकर सिकरहना में मिलती है।बांध बंध जाने से नदी में ज्यादा पानी आ जायेगी और लोगों के जानमाल की भारी क्षति होगी।इसके पूर्व में 1980 में भी बांध बांधने की शुरुआत की गई थी और जमीन का भुगतान भी किया गया था पर किसानों के विरोध के बाद काम रोक दिया गया।फिर से तकरीबन चौआलीस वर्षों बाद एक बार फिर बांध बनाने का काम शुरू किया गया है,जिसका भारी विरोध किया जा रहा है।

किसानों ने बताया कि इसको लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय व जिलाधिकारी को ज्ञापन भी दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर बांध का काम नही रुका तो हमलोगों आंदोलन के लिए बाध्य होगे।सरकार किसानों को मदद करने का काम करे।वही पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी ने बताया कि नदी के किनारे बांध बना देने से वहां की जमीन बर्बाद हो जाएगी। साथ ही कैथवलिया भवानीपुर सपहां मेंहवा मधूमलती कपरसंडी मोखलिसपूर गोबरी,सिसवनियां, मोहम्मदपुर खैरी और खैरा घाट सहित करीब दो दर्जन से ज्यादा गांव की बड़ी आबादी विस्थापित हो जायेगे।

राज्य में एनक्यूएएस सर्टिफाइड संस्थानों की संख्या में भारी वृद्धि, 38 नए प्रमाणित

बीएनएम। पटना

स्वास्थ्य विभाग ने प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा है। राज्य में एक साथ सभी जिलों से एक और कुल 38 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को राज्य स्तरीय एनक्यूएएस सर्टिफिकेट मिला है। एक साथ इतने स्वास्थ्य संस्थानों के सर्टिफाइड होने से राज्य में एनक्यूएएस प्रमाणित स्वास्थ्य संस्थानों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इस संबंध में राज्य में क्वालिटी एश्योरेंस के अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ बीके मिश्रा ने बताया कि राज्य में अब एनक्यूएएस के कुल प्रमाणित संस्थानों की संख्या 89 हो गयी है। इसमें 22 नेशनल और 67 स्वास्थ्य संस्थान राज्य स्तर से सर्टिफाइड हैं। राज्य स्तर के सर्टिफाइड संस्थानों ने नेशनल असेसमेंट के लिए आवेदन भी दे दिया है। विभाग ने एनक्यूएएस के निर्धारित लक्ष्य के लिए प्रत्येक प्रशासनिक स्तर पर एक आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का चयन किया है। इसमें जिला स्तर पर 38 तथा अनुमंडल स्तर पर कुल 101 स्वास्थ्य संस्थानों का चयन हुआ है। इनमें से 52 अनुमंडल अधीन आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का दिसंबर जनवरी तक असेसमेंट होना है। वहीं 20 दिसंबर या उत्तरवर्ती महीनों में प्रति प्रखंड एक आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के प्रमाणीकरण के लिए आवेदन की समय सीमा तय की गयी है।राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के राज्य स्तरीय असेसमेंट में सारण जिले के दिघवारा प्रखंड के शीतलपुर डीह स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को पूरे राज्य में सबसे ज्यादा अंक मिले हैं। इस स्वास्थ्य संस्थान को कुल 94 प्रतिशत अंक हासिल हुए हैं। सारण के डीपीसी रमेश चंद्र कुमार ने बताया कि यह सफलता न केवल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि पूरे बिहार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मियों के समर्पण को एक प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत करती है। शीतलपुर डीह एचडब्ल्यूसी की यह उपलब्धि स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। दूसरे स्थान पर अरवल जिला का एचडब्ल्यूसी परियारी है। एनक्यूएएस के राष्ट्रीय असेसर डॉ. माहताब सिंह का कहना है कि ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों के एनक्यूएएस प्रमाणीकरण से प्राथमिक स्तर पर मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। स्वास्थ्य कर्मियों के क्षमतावर्द्धन से गुणवत्ता युक्त सुविधाएं मिलेगी।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन अंतर्गत पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) से संबंधित अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन ढाका प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय , ढाका में अनुमंडल पदाधिकारी निशा ग्रेवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ढाका, सदानंद दास एवं महिला एवं बाल विकास निगम के जिला परियोजना प्रबंधक वीरेन्द्र राम ने किया। इस मौके अनुमंडल पदाधिकारी निशा ग्रेवाल ने पूर्वी चंपारण में लिंगानुपात में कमी को बताया गंभीर चिंता का विषय उन्होंने कहा कि लिंग परीक्षण के आधार पर हो रही भ्रूण हत्या को खत्म करने के लिए लोगों के मानसिकता में बदलाव लाना होगा। सभी बच्चियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी पढ़ाई पर ध्यान दे, शिक्षा वो धन है जो आपसे कोई नहीं के सकता है। इसी क्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी के द्वारा बताया गया कि लिंगानुपात में जो अंतर है वो बहुत चिंतनीय है हम सभी को इसके root cause को जानना होगा और उस पर काम करना होगा । लिंग परीक्षण का कारण कही न कही अशिक्षा, गरीबी, दहेज और समाजिक दवाब इत्यादि है , इसे खत्म करने के लिए लोगों में जागरूक करना होगा। साथ ही बाल विवाह निषेध अधिनियम एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया । प्रखंड विकास पदाधिकारी, ढाका के द्वारा बताया गया कि आपलोग समाज से जुड़े हुए लोग है लिंग जांच करने के उद्देश्य से जो भ्रूण परीक्षण हो रहा उसकी सुचना अपलोग दे ताकि उस पर प्रशासनिक कारवाई की जा सके। उपाधीक्षक, ढाका अस्पताल डॉ M.K साह के द्वारा पीसीपीएनडीटी अधिनियम पर चर्चा किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि लिंग परीक्षण करना एवं कराना दोनों ही दंडनीय अपराध है इसमें पांच साल तक का जेल एवं 50000 से 100000 तक का आर्थिक दंड का प्रावधान है। इसी क्रम में जिला परियोजना प्रबंधक,wcdc द्वारा महिला एवं बाल विकास निगम के सभी योजनाओं यथा महिला हेल्प लाइन 181,one stop centre, आपातकालीन हेल्प लाइन नंबर 112, एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में बताया गया।कार्यक्रम के अंत में जन्म पूर्व लिंग परीक्षण रोकथाम और बाल विवाह रोकथाम संबंधी शपथ के साथ कार्यशाला संपन्न हुआ। मौके पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी , बनकटवा, ढाका जिला परियोजना प्रबंधक, WCDC, जिला मिशन समन्वयक DHEW,लेखा सहायक DHEW, ढाका अनुमंडल की सभी लेडीज सुपरवाइजर, सेविका एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, ढाका की 10वी एवं 11वी की बालिकाएं उपस्थित थी। कुल उपस्थिती लगभग 350 थी।

हम सब मिलकर महाविद्यालय को नई ऊंचाई की ओर ले जाएंगे- प्राचार्य

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य प्रो.(डॉ.) पंकज कुमार के द्वारा दूसरे ही दिन पूरे महाविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने कंट्रोल रूम (परीक्षा विभाग), गृह विज्ञान विभाग, मनोविज्ञान विभाग, अकाउंट सहित अन्य विभागों की स्थिति का जायजा लिया गया। प्राचार्य द्वारा शिक्षक, शिक्षिकाओं के साथ एक बैठक भी की गई। इस बैठक में निम्न मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें आर.ओ की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, कंप्यूटर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की व्यवस्था, एन.ए.ए.सी से संबंधित गाइडलाइन, क्लासरूम की व्यवस्था, हिंदी, इतिहास, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान में पीजी विभाग का प्रपोजल, संगीत, भूगोल, समाजशास्त्र विभाग का प्रपोजल, छात्राओं को कंप्यूटर का बेसिक ज्ञान अनिवार्य, कैंटीन को व्यवस्थित करना, कॉमन रूम का निर्माण, मैथ्स, फिजिक्स में फैकल्टी आदि की व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्राचार्य ने कहा कि हम सब मिलकर महाविद्यालय को नई ऊंचाई की ओर ले जाएंगे। पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण में यह महिला महाविद्यालय एकलौता है। महाविद्यालय की छात्राओं को एक नई दिशा और दशा मिलेगी। प्राचार्य ने शांतिपूर्ण तथा स्वच्छ माहौल स्थापित करने की बात की है। बैठक में प्रो. (डॉ.) किरण कुमारी, डॉ. नीतू, डॉ. मो. इरशाद आलम, डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव, कुमारी रंजना, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. अंजली कुमारी, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. अल्फीया नूरी, डॉ. मनोरमा राय, डॉ. नीतू कुमारी, डॉ. सोनी कुमारी, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. प्रीति कुमारी, शिवांगी सिंह, डॉ. आकृति रानी, डॉ. अमृता कुमारी, डॉ. चंदा कुमारी, डॉ. विपिन दूबे, डॉ. अमित कुमार तथा लवली सिंह उपस्थित रहे।

शराब तस्कर के खिलाफ आदापुर थाना ने की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम। आदापुर

आदापुर थाना पुलिस ने शराब तस्कर तथा शराब पियक्कड़ के खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई की है। मोतिहारी जिला के एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर आदापुर थाना पुलिस ने छापामारी का दो शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। शराब तस्कर के पास से 300 एम एल के 720 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान करण नट और भूषण नट दोनों भाई पिता अदालत नट साकीन धुरी बेलवा निवासी के रूप में हुई है। शराब तस्कर नेपाल से नेपाली कस्तूरी शराब लेकर भारतीय क्षेत्र बिहार में आ रहा था श्यामपुर चौक के पास से दोनों शराब तस्कर को शराब के साथ पुलिस ने दबोच लिया। इसके अलावा चार शराब पियक्कड़ को भी पकड़ लिया। शराब पियक्कड़ की पहचान कृष्ण पंडित और विजय पंडित दोनों भाई पिता रामजी पंडित साकिन रक्सौल है । बद्री पंडित पिता खेदु पंडित साकिन श्यामपुर बाजार तथा सनोज पटेल पिता जोखू पटेल साकिन कटगेनवा थाना आदापुर को पुलिस ने शराब के नशे में शराब पियक्कड़ को गिरफ्तार किया है। आदापुर पुलिस ने सभी आरोपियों के ऊपर कारवाई की जा रही है। इसकी पुष्टि आदापुर पुलिस ने की है।

पालनवा पुलिस ने चार शराब कारोबारी को भेजा जेल

बीएनएम। रामगढ़वा

रविवार को जिला पुलिस कप्तान के निर्देश पर पलनावा पुलिस ने संध्या गस्ती के दौरान थाना क्षेत्र से चार चुलाई शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसकी जानकारी देते हुए पलनावा थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो ने बताया कि चंद्रकिशोर राम, पिता- रामनारायण राम, ग्राम- खपटोला को 5 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। वही राजकुमार पटेल पिता मेवालाल पटेल ग्राम लछनावता से 20 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया है। प्रमोद पटेल पिता भोला राउत ग्राम लौकरिया से 10 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया है। इनके साथ ही उमेश साह पिता रामबिनय साह ग्राम से 10 लिटर चुलाई शराब बरामद किया गया है इन सभी को चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो के शराब तस्करों पर छापामारी करने के बाद थाना क्षेत्र में शराब कारोबारियों व पियक्कड़ों में हड़कंप मचा हुआ है। वही थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो ने बताया कि किसी भी सूरत में शराब कारोबारी या पियक्कड़ों को बख्शा नही जाएगा।

माकपा का 24वां दो दिवसीय जिला सम्मेलन सुगौली में

बीएनएम। सुगौली

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का दो दिवसीय 24वां पुर्वी चम्पारण जिला सम्मेलन सीपीआई(एम) का०अरविन्द कुमार नगर सुगौली में आज खुले अधिवेशन के साथ हुआ । खुले अधिवेशन को संबोधित करते हुए बिहार राज्य कमेटी के मंत्री ललन चौधरी ने भाजपा के संप्रदायिक षड्यंत्रों से चम्पारण के लोगों को सावधान करते हुए किसानों मजदूरों को एकजुट कर उनके हक की लड़ाई को तेज करने का आह्वान किया।राज्य सचिवमंडल के साथी प्रभुराज नारायण राव ने वर्तमान परिस्थितियों में अपने साथियों को चुनौती स्वीकार कर दायित्व का निर्वाह करते हुए पार्टी के कामों को आगे बढ़ाते रहने का आह्वान किया। सुगौली के पुर्व विधायक साथी रामाश्रय सिंह ने पुराने संघर्षों के इतिहास को याद कराते हुए सुगौली समेत पुरे बिहार में गरीबों किसानों मजदूरों को एकजुट कर संप्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष करना हीं एक मात्र शेष रास्ता बताया। सभा को जिला मंत्री साथी सत्येन्द्र मिश्र, सचिवमंडल के साथी बंकिम चन्द्र दत्त,मुकेश कुमार,संतोष कुमार,ब्रजकिशोर गुप्ता ने संबोधित करते हुए जिले के बंद चीनी मीलों,रबी की खेती के लिए आवश्यक खाद बीज,क्रय केंद्र,कर्ज माफी, रोजगार,पलायन,बाढ़ सुखाड़ के सवालों को उठाया और सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र में इसके लिए योजना बना कर संघर्ष में उतरेंने का आह्वान किया।सभा को स्वागत समिति के कोषाध्यक्ष साथी एजाजुल हक,स्वागताध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता ने संबोधित किया। सभा की अध्यक्षता ध्रुव त्रिवेदी एवं संचालन धनंजय पुरी ने किया। तत्पश्चात कामरेड रामाश्रय सिंह के द्वारा पार्टी का झंडा फहराया गया और शहीद वेदी पर पुष्प अर्पित की गई।सम्मेलन का प्रतिनिधि सत्र जारी है जो 17 दिसंबर तक चलेगा।

112 लीटर देशी शराब व वारंटी सहित तीन पियक्कड़ गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर थाना क्षेत्र में शराब कारोबारी व वारंटी को पकड़ने के लिए रोजाना विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जहां अपर थानाध्यक्ष मंदन कुमार के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर 112 लीटर देशी शराब व वारंटी के साथ शराब पियक्कड़ सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक शराब कारोबारी भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिला था कि थाना क्षेत्र के राजाराम पुल हरिजन टोली में शराब बिक्री की जा रही है। जहां उक्त स्थल पर पुलिस ने छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान शराब कारोबारी मुनी माँझी के घर से 100 लीटर देशी शराब बरामद कि गई है। शराब कारोबारी मौके के फ़रार हो गया। वहीं दूसरी जगह थाना क्षेत्र के पिपरिया में छापेमारी की गई जहां 12 लीटर देशी शराब के साथ मुनिलाल सहनी को गिरफ्तार किया है। वहीं चीलराव के अनिल राम को शराब सेवन करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही नरियरवा से वारंटी दुलारचंद साह को पकड़ा गया है। तीनों व्यक्ति को जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि शराब बंदी कानून को सफल बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

हत्याभियुक्त सहित पांच वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। रामगढ़वा

रामगढ़वा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जुमायी टोला गांव में छापेमारी कर हत्या व आर्म्स एक्ट मामले के आरोपी सहित पांच विभिन्न मामलों के आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि फरार अभियुक्त संजय प्रसाद पिता बुनीलाल प्रसाद ग्राम बलुआ सेमराही थाना पहाड़पुर, मर्डर और आर्म्स एक्ट के कुर्की अभियुक्त शेख अब्दुल बारी पिता स्व हफीजुल्लाह ग्राम जुमाई टोला वही दूसरी ओर पुलिस ने भेरिहाडी गांव से भोला सहनी पिता कुइस सहनी गको 15 लीटर चुलाइ शराब के साथ अमोदेई से गिरफ्तार किया गया। वही मंजूर मियां पिता शेख मसूद मिया, शेखौना से विजय सिंह भीखम सहनी पिता टीमन सहनी ग्राम मलाही टोला सभी थाना रामगढ़वा तीनों को शराब पीने में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है ।

बांग्लादेश से आ रही चुनौती बेहद गहरी

अब चूंकि बात मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी फिर से पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। बांग्लादेश के साथ भारत के बिगड़ते रिश्तों का दीर्घकालिक संदर्भ बनता दिख रहा है। बांग्लादेश में बड़ी संख्या में लोग अपने देश की पहचान 1971 के संदर्भ में देखने के बजाय 1947 के संदर्भ में देखने लगे हैं। और यह कोई छिपी बात नहीं है। देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस इसे संयुक्त राष्ट्र के मंच पर कह चुके हैं। तब उन्होंने कहा थाः बांग्लादेश बना, क्योंकि लोगों का उदारवाद, बहुलवाद एवं धर्मनिरपेक्षता में गहरा यकीन था। दशकों बाद अब नई पीढ़ी उन उसूलों पर पुनर्विचार कर रही है, जैसाकि 1952 में हुआ था, जब हमारे देशवासियों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला की रक्षा का संकल्प लिया था।' यानी 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने मजहबी आधार पर बने राष्ट्र को नकार कर भाषा एवं संस्कृति पर आधारित बहु-धर्मीय राष्ट्र को स्वीकार किया था। जबकि अब लोग 1947 की तरफ लौट रहे हैं, जब भारत का मजहबी आधार पर विभाजन हुआ। अब चूंकि बात मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा है कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर उभर कर सामने आया है, जब भारत उसे वैचारिक चुनौती देने के लिए लिहाज से सबसे कमजोर स्थिति में है। चूंकि भारत में भी अब मुख्य विमर्श हिंदू-मुसलमान पर केंद्रित है, इसलिए बांग्लादेश में हमेशा से मौजूद रहे, लेकिन अब सिर उठा कर सामने आ चुके महजबी कट्टरपंथी ताकतों को भी तर्क मिल रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अंतरराष्ट्रीय कठघरे में कड़ा करने की रणनीति पर राष्ट्रीय आम सहमति बनाने के बजाय भारत में सियासी पार्टियां इस पर राजनीतिक लाभ उठाने के अभियान में जुटी हुई हैं। मगर इससे बांग्लादेश के हिंदुओं का भला होने के बजाय और नुकसान हो रहा है। हमारी पार्टियां यह समझने में विफल हैं कि बांग्लादेश से आ रही चुनौती बेहद गहरी है, जिसका मुकाबला संयम और दूरदर्शिता के साथ ही किया जा सकता है।

अडानी मुद्दे पर कुछ दिखावे के लिए राहुल व कांग्रेस के साथ जुड़े

यह संयोग है या प्रयोग कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी ने संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस के कन्नी काटी और अडानी मुद्दे पर संसद ठप्प करने में शामिल होने से इनकार किया। उसके बाद ममता बनर्जी के विपक्षी गठबंधन का नेता बनने की चर्चा शुरू हो गई? यह सही है कि ममता बनर्जी ने खुद ही चर्चा शुरू कराई। उन्होंने कहा कि, इंडिया' ब्लॉक का गठन उन्होंने किया है और इसलिए मौका मिले तो उसका नेतृत्व करना चाहेंगी। हालांकि हकीकत यह है कि विपक्ष का गठबंधन बनाने का ममता का, के चंद्रशेखर राव का और अरविंद केजरीवाल का प्रयास विफल था। अभी जो विपक्षी गठबंधन है वह नीतीश कुमार का बनाया है, जिसमें ममता बनर्जी भी थीं और बाद में नीतीश व ममता दोनों बाहर हो गए। परंतु पहले ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि वह अडानी के मसले पर संसद ठप्प करने के पक्ष में नहीं है और उसके सांसदों ने कांग्रेस व दूसरी विपक्षी पार्टियों के प्रदर्शन में शामिल होना बंद किया। उसके बाद ममता ने इंडिया' ब्लॉक का नेता बनने की इच्छा जाहिर की और फिर एक एक करके तमाम विपक्षी पार्टियां उनका समर्थन करने लगीं। उद्धव ठाकरे की शिव सेना के नेता संजय राउत ने भी उनका समर्थन किया तो शरद पवार ने भी उनका साथ दिया। कांग्रेस के ऑल वेदर फ्रेंड माने जाने वाले लालू यादव ने तो यहां तक कहा कि ममता बनर्जी को नेता बना देना चाहिए और कांग्रेस अगर विरोध करती है तो उस पर ध्यान देने की जरुरत नहीं है। इनमें से उद्धव ठाकरे एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने खुल कर अडानी का विरोध किया था लेकिन ऐसा लग रहा है कि उनका विरोध महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक सीमित था और वह भी अडानी के एक धारावी प्रोजेक्ट को लेकर था। सिद्धांत रूप से वे अडानी, अंबानी विरोधी नहीं माने जाते हैं। आखिर अंबानी के यहां शादी में बाराती बन कर जितने नेता शामिल हुए थे उनमें राहुल या नेहरू गांधी परिवार के अलावा बाकी सारे विपक्षी नेता शामिल ही थे। ममता भी थीं और लालू प्रसाद का पूरा परिवार भी था और अखिलेश यादव भी सपरिवार पहुंचे थे। लेफ्ट के नेता जरूर नहीं गए थे लेकिन संभवतः उनको बुलाया भी नहीं गया हो। लेकिन सोनिया गांधी के परिवार को न्योता देने तो मुकेश अंबानी खुद पहुंचे थे। सो, पहले ममता बनर्जी की पार्टी ने अडानी के नाम पर संसद ठप्प करने इनकार किया और उसके बाद अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने भी यही लाइन पकड़ी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद पत्नी डिंपल यादव ने कहा कि अडानी मामले से सपा का कोई लेना देना नहीं है। सवाल है कि कांग्रेस का भी क्या लेना देना है? फिर भी कांग्रेस ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया है क्योंकि एक के बाद एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह, पत्रकारों का संगठन और विदेशी सरकारें या उनकी एजेंसियां अडानी समूह को कठघरे में खड़ा कर रही हैं। अडानी दुनिया में क्रोनी कैपिटलिज्म के प्रतीक बने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके संबंधों को उछालने से बड़ा राजनीतिक नैरेटिव बनता है। इसलिए कांग्रेस और राहुल गांधी यह मुद्दा उठा रहे हैं। लेकिन बाकी विपक्षी पार्टियां या तो इससे अलग हो रही हैं या दिखावे के लिए कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रही हैं। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव की पार्टी विपक्ष के विरोध प्रदर्शन से अलग हो गई लेकिन लालू प्रसाद और शरद पवार की पार्टी विरोध प्रदर्शन में शामिल है। एक और सत्य कि शरद पवार का तो अडानी विरोध कभी रहा ही नहीं है। फिर उनकी पार्टी के अडानी के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वह सिर्फ दिखावा है। आखिर चाचा भतीजे यानी शरद पवार और अजित पवार ने स्वीकार किया है कि 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन में गतिरोध पैदा हुआ था तो ये सभी लोग अडानी के साथ बैठे थे सरकार बनाने के लिए। अजित पवार ने कहा था कि अडानी के घर पर गौतम अडानी की मौजूदगी में भाजपा और एनसीपी के नेताओं की बैठक हुई थी।

राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं

पंकज शर्मा

जैसे कि आप जानते हैं, वैसे ही मैं भी जानता हूं कि राहुल एकला चलो' के शीरे की कड़ाही से जन्मे हैं और कोई साथ आए-न-आए, अपने गंतव्य तक अनवरत अकेले चलते रहने का माद्दा रखते हैं। इस कर्म-भाव की झौंक में यह परवाह भी वे शायद ही करते हैं कि मंज़िल तक पहुंचेंगे या नहीं? उन्हें तो बस चलते रहना है। सो, वे तो चलते रहेंगे।ज्.पर राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं। इसलिए उन्हे अपने लिए एक कारगर मध्यम-पंक्ति की संरचना करनी है। लोकसभा में प्रियंका गांधी के भाषण को भले ही आप अद्भुत और ऐतिहासिक की श्रेणी में न रखें, मगर इतना तो आप भी मानेंगे कि उन की संप्रेषण कुशलता ने कांग्रेसजन में एक नया उछाह पैदा किया है। उन की स्त्रियोचित सौम्य-आक्रामकता ने सदन में बैठे अमित भाई शाह और राजनाथ सिंह समेत समूचे सत्तापक्ष की शिराओं में थोड़ी कंपकंपी पैदा की है और देश को प्रतिपक्ष, और ख़ासकर कांग्रेस, की प्रभावी भूमिका के लिए आश्वस्त किया है। जब प्रियंका बोल रही थीं, तब राहुल गांधी भी सदन में मौजूद थे, संजीदगी से उन की कही बातें सुन रहे थे, गंभीरता से उन के कहे को गुन रहे थे और लगता था कि मन-ही-मन कांग्रेस की आगामी प्रस्तावना के धागे बुन रहे थे। ये धागे फिलवक़्त साढ़े चार बरस लंबे तो फैले हुए हैं ही। केंद्र की सत्ता के लिए राहुल-प्रियंका को अभी न्यूनतम साढ़े चार बरस तो राजनीतिक संघर्ष करना ही होगा। कोई बड़ी बात नहीं कि उन का यह रास्ता साढ़े नौ साल लंबा खिंच जाए। सो, सवाल यह है कि क्या राहुल-प्रियंका तो जूझ लेंगे, मगर क्या उन के पास साढ़े चार या साढ़े नौ बरस तक युद्धरत रह सकने वाली मध्यम-पंक्ति है? क्या ऐसे जुझारू, अविचल और प्रतिबद्ध हमजोली हर राज्य में उन की बगल में खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो सियासत के लगातार पथरीले होते जाने वाले भावी मैदान में 54 या 114 महीने उन के साथ खड़े रहें? और, जब मैं यह सवाल उठा रहा हूं तो मेरा सवाल इंडिया-समूह के कथित साथियों के बारे में नहीं है। इंडिया-समूह तो समझ लीजिए कि तिरोहित हो चुका है। उस की आस लगाए बैठना अब राहुल की भूल होगी। मैं तो यह पूछ रहा हूं कि कांग्रेस के भीतर भी ऐसे लोग अब कितने रह गए हैं, जिन के भरोसे राहुल आगे की दुर्जेय राह पर चलते चले जाएंगे? जैसे कि आप जानते हैं, वैसे ही मैं भी जानता हूं कि राहुल एकला चलो' के शीरे की कड़ाही से जन्मे हैं और कोई साथ आए-न-आए, अपने गंतव्य तक अनवरत अकेले चलते रहने का माद्दा रखते हैं। इस कर्म-भाव की झौंक में यह परवाह भी वे शायद ही करते हैं कि मंज़िल तक पहुंचेंगे या नहीं? उन्हें तो बस चलते रहना है। सो, वे तो चलते रहेंगे। प्रियंका भी अब इस यात्रा में उन की अटल परछाईं होंगी। लेकिन आख़िर एक राजनीतिक यात्रा इस तरह अकेले तो पूरी होती नहीं। राजनीतिक ही क्यों, कोई भी यात्रा कब किस की अकेले पूरी हुई है? प्रभु राम की यात्रा क्या अकेले संपन्न हो पाई? श्रीकृष्ण का सफ़र क्या एकाकी था? लक्ष्य तन्हा हासिल नहीं होते। वे तब प्रस्थापित होते हैं, जब हर स्तर पर सेनानियों की टोलियां संग-संग चलती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि राहुल भले ही एकल-तपस्या के महारथी हों और अब प्रियंका के संसद में औपचारिक प्रवेश से उन की ताक़त चौगुनी हो गई हो, मगर साढ़े चार साल बाद की रणभेरी के लिए इतना ही काफी नहीं है। राहुल को मंझली कतार के सगतिया चाहिएं और ईमानदारी की बात यह है कि कांग्रेस में न तो अभी वे दूर-दूर तक कहीं दिखाई दे रहे हैं और न उन्हें खोजने-बीनने का कोई उपक्रम कहीं नज़र आ रहा है। एक छोटा-सा अर्थवान समूह भी इस वक़्त राहुल के आसपास मौजूद है और एक विशाल मतलबपरस्त टोली भी उन से चिपटी हुई है। नेकनीयत समूह के ज़्यादातर चेहरे वृद्धावस्था के उस चरण में पहुंच चुके हैं, जहां से वानप्रस्थ की राह आरंभ होती है। जो उम्र के लिहाज़ से अभी दस-पंद्रह बरस राहुल की शेरपाई कर सकते हैं, उन की बदनसीबी यह है कि उन का तीन चौथाई समय ख़ुदगर्ज़ चौकड़ी के जालबट्टों की उलझनों से निपटने में बीत रहा है। यहां मैं उन बदनसीबों की बात नहीं कर रहा हूं, जो शामियाने के बाहर खड़े-खड़े कसमसा रहे हैं। मैं उन की बात कर रहा हूं, जो बैठे तो राहुल के दस्तरख़्वान पर हैं, मगर फिर भी हर रोज़ किनारे ठेले जाते हैं। कांग्रेस की कार्यसमिति में सत्तासीन जमात के बुद्धि-जीवियों और प्रतिपक्षी श्रम-जीवियों के बीच की यह टप्पेबाज़ी देखने-समझने के लिए किसी दिव्य-ख़ुर्दबीन की ज़रूरत नहीं है। जो अपनी अक़्ल चला कर जीवित हैं, वे मेहनत पर ज़िंदा लोगों को कहां जीने देते हैं? कांग्रेस में यह किस्सा कोई नया नहीं है। मगर नई बात यह है कि जब से नरेंद्र भाई मोदी रायसीना पर्वत पर काबिज़ हुए हैं, तब से कांग्रेस के भीतर खोखले किरदारों की ज़रा ज़्यादा ही बहार आ गई है। उन में से

बहुत-से तो ऐसी सदाबहार-स्थिति को प्राप्त कर चुके हैं कि अगर ख़ुद राहुल-प्रियंका भी चाहें तो अब उन का बाल बांका नहीं कर सकते हैं। राहुल-प्रियंका से आयुष्मान भवः' का आशीर्वाद पाने के बाद भस्मासुरी-रंगत में आ गए ये तत्व अब भाई-बहन पर ही भारी पडने लगे हैं। अपने चार दशक से ज़्यादा के पत्रकारीय जीवन में मैं ने कांग्रेस समेत किसी भी राजनीतिक दल के शीर्ष नेतृत्व को इस से पहले इतनी असहाय हालत में कभी नहीं देखा था। नरेंद्र भाई मोदी के चक्रव्यूह को तहस-नहस करने घर से निकले राहुल-प्रियंका की, पता नहीं, ऐसी कौन-सी लाचारी है कि वे कांग्रेस के भीतर के इस मकडज़ाली चक्रव्यूह को ही नहीं भेद पा रहे हैं? आज की गई-बीती हालत में भी कांग्रेस के पास 100 लोकसभा सदस्यों, 27 राज्यसभा सदस्यों और 650 विधायकों का ठीकठाक राजनीतिक संसाधन है। उसे छह महीने पहले हुए लोकसभा के चुनाव में सवा 21 प्रतिशत वोट मिले हैं। देश भर के पौने 14 करोड़ लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। जिन्हें दिखता हो, देखें, मगर मुझे इस में कांग्रेस का दारिद्र्य नहीं, उस की समृद्धि दिखाई देती है। और, इतने प्रतिकूल मौसम में भी कांग्रेस को अपनी इस आसूदगी के लिए राहुल का ऋणी होना चाहिए। जज़ा जनतंत्र के द्वारपाल की भूमिका से राहुल की अनुपस्थिति की कल्पना तो कर के देखिए कि अगर वे नहीं होते तो इन दस बरस में एकतंत्रवादी तत्वों ने कैसे लोकतंत्र को पूरी तरह लील लिया होता! इस बीच इंडिया-समूह में शामिल कुछ क्षत्रपों ने राहुल को किनारे कर किसी और को गठबंधन का नेतृत्व सौपने की तरफ़दारी की है। मगर उन्हें समझना चाहिए कि इंडिया-समूह का जन्म जिस मूल अवधारणा को ले कर हुआ है, उस के चलते गठबंधन की अगुआई सिफ़र् वही व्यक्ति कर सकता है, जिस का इतिहास अपनी वैचारिक निष्ठा को ले कर अविचल प्रतिबद्धता का रहा हो और जिस के बारे में पूरा मुल्क़ यह धारणा रखता हो कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह अपने विचारों और सिद्धांतों से कभी भी डिगेगा नहीं। आप ही बताइए, इस कसौटी पर इंडिया-समूह में शामिल सियासी घटकों के कितने चेहरे खरे उतरते हैं? इसलिए मैं मानता हूं कि इंडिया-समूह के पास राहुल के नेतृत्व का कोई विकल्प न तो है, न कभी होगा। राहुल की कलाई पर बंधे इस विशेष स्थिति के कलावे के बावजूद उन्हें अभी तो अपनी ही पार्टी के आंतरिक तानेबाने को सुलझाना है, मजबूत बनाना है और अपने लिए एक कारगर मध्यम-पंक्ति की संरचना करनी है। जितनी जल्दी वे यह काम कर लें, बेहतर है, क्योंकि लोकसभा के बाद हुए चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों ने कांग्रेस और विपक्ष के मनोबल को झकझोर दिया है। कांग्रेस के कायाकल्प में अब थोड़ी भी देरी राहुल-प्रियंका की नेतृत्व क्षमता पर खरोंच लगाने वाली साबित होगी।

आईटी और डिजिटल नवाचार में आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

सोनिया परिहार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में, आईटी और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में मध्यप्रदेश हर दिन नए आयाम स्थापित कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए, प्रदेश ने अपने शासकीय विभागों और नागरिकों के लिए तकनीकी प्रगति और डिजिटल सुविधाओं का ऐसा सिस्टम विकसित किया है, जो पूरे देश के लिए एक मिसाल बन गया है। राज्य डिजिटल भारत के सपने को साकार करते हुये डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रोनिक विकास निगम (एमपीएसईडीसी) और मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। -म.प्र. में विकसित सॉफ्टवेयर ने देश में बनाई पहचानःमध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) की अगुवाई में प्रदेश ने डिजिटल प्रौद्योगिकी में कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। संपदा 2.0 और साइबर तहसील जैसे प्लेटफॉर्म नागरिक सेवाओं को सरल बना रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की पहचान को भी मजबूत कर रहे हैं। संपदा 2.0 ने संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर ई-पंजीकरण, ई-स्टाम्प, स्टाम्प शुल्क की गणना और दस्तावेज़ खोज जैसे कार्यों को घर बैठे संभव बनाया गया है। साइबर तहसील ने राजस्व न्यायालयों की प्रक्रियाओं को पारदर्शी और सुव्यवस्थित करते हुए भ्रष्टाचार को कम करने और जनता को त्वरित सेवाएं प्रदान करने का सफल प्रयास किया गया है। 0-निवेश और स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहनःसूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), सूचना प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवाएँ (आईटीईएस), इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिज़ाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) और डेटा केंद्रों की परिवर्तनकारी क्षमता को स्वीकार करते हुए, राज्य में दूरदर्शी "आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023" बनाई गई है। राज्य के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए यह नीति डिज़ाइन की गई है। जबलपुर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पॉलिसी के दिशा निर्देश लॉन्च किए थे। नीति में निवेशकों को वित्तीय और गैरवित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रावधान किए गए है। सभी वित्तीय सहायता, आवश्यक अनुमतियाँ, अनुमोदनों, आवेदनों और किसी भी अन्य संबंधित प्रक्रियाओं के लिए पूर्ण रूप से डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम भी बनाया गया है। राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप नीति-2022 लागू है। राज्य में एवीजीसी नीति-2024 भी लागू की जा रही है, जिससे एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खुला है। राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा आदि को ध्यान में रखते हुए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (त्रष्टष्ट) नीति 2024 भी तैयार की गई है। 0-विकसित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चरःवर्तमान में प्रदेश में 2 हजार से अधिक आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें एमपीएसईडीसी में पंजीकृत 650 इकाइयां हैं, जिन्हें राज्य की नीतियों का लाभ मिला है। इन इकाइयों का टर्न ओवर 10 हजार करोड़ रुपए प्रतिवर्ष से अधिक है। देश की 50 से अधिक बड़ी आईटी एवं आईटीईएस इकाइयां मध्यप्रदेश में स्थापित हैं। प्रदेश से हर वर्ष 500 मिलियन डॉलर का निर्यात आईटी से जुड़ी कंपनियों के माध्यम से होता है। राज्य में 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन हैं। राज्य सरकार द्वारा 15 आईटी पार्क बनाए गए हैं, जिनसे डेढ़ लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। राज्य में 1200 से अधिक तकनीकी स्टार्ट-अप स्थापित हैं, जिनमें से दो "नीव क्लाउड और शॉप किराना" यूनिकॉर्न कंपनी हैं। 0-आईटी/आईटीएस/ईएसडीएम और डेटा सेंटर क्षेत्र में बढ़ता निवेशःराज्य में निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव और इंटरैक्टिव सेशन में आईटी/आईटीएस/ईएसडीएम और डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेशकों ने विशेष उत्साह दिखाया। इस क्षेत्र में निवेश से रोजगार से नए अवसर सृजित होंगे। सागर में 1700 करोड़ से अधिक निवेश से डेटा स्थापित किया जा रहा है। बेंगलुरु में आयोजित इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट के दौरान, एमपीएसईडीसी ने भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर संघ,, इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया, एसोसिएशन ऑफ जिओस्पेशल इंडस्ट्रीज और टाई ग्लोबल जैसे प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग संघों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। जबलपुर, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु में कई बड़ी कंपनियों से करोड़ों के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यूके-जर्मनी से एसआरएएम-एमआरएएम ग्रुप द्वारा 25000 करोड़ रूपये निवेश से सेमी कंडक्टर और साइंस टेक्नोलॉजी पार्क विकसित करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। 0-जीआईएस तकनीक का बढ़ता उपयोगःराज्य में जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) तकनीक का भी व्यापक उपयोग हो रहा है। 5त्र के लिए योजना, अनुमोदन और जीआईएस आधारित सेवाएं प्रदान करने के लिए "गति-शक्ति संचार पोर्टल" विकसित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए सर्वेक्षण, निगरानी और कार्यान्वयन के लिए "जल रेखा" जैसे पोर्टल कार्य कर रहे है। जीआईएस द्वारा तैयार किये गये लोकपथ मोबाइल ऐप और वेब एप्लिकेशन से पूरे राज्य में सडक़ों से संबंधित शिकायतों को दर्ज करने एवं उनके निराकरण को मॉनिटर करने की सुविधा दी जा रही है। 0-शोध और शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्यायःमध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) के अंतर्गत राज्य में विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उज्जैन तारामंडल में 3डी-4य प्रोजेक्शन सिस्टम का अपग्रेडेशन और वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला डोंगला का ऑटोमेशन इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। प्रशासनिक डिजिटलीकरण और पारदर्शिताःसरकार ने ई-एचआरएमएस पोर्टल और अन्य डिजिटल मंचों के जरिए मानव संसाधन और सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटाइज्ड किया है। मुख्यमंत्री प्रगति पोर्टल ने विभिन्न योजनाओं और निर्माण कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग को सुगम बनाया है। आईटी क्षेत्र में विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियों ने डिजिटल प्रौद्योगिकी से प्रशासनिक दक्षता बढ़ाई है और नागरिकों के जीवन को भी सरल और सुविधाजनक बनाया है। इन नवाचारों ने राज्य को आईटी निवेशकों के लिए एक आदर्श स्थान बना दिया है। प्रदेश डिजिटल भारत के सपने को साकार करते हुये वैश्विक आईटी मानचित्र पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। लेखिका जनसंपर्क विभाग में सहायक संचालक है।

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। धार्मिक कार्यों की तरफ आपका झुकाव रहेगा। दूसरों की मदद आदि के कार्य में रुचि बढ़ेगी। अगर आपने किसी से रुपए उधार लिए हैं तो आप जल्द उसे चुकता कर देंगे। वैवाहिक जीवन में सुख संतोष में वृद्धि होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। कारोबार में थोड़ा सोच समझकर आगे बढऩा आज उचित रहेगा। ठाने हुए कार्यों में आपको सफलता जरूर मिलेगी। इस राशि के लोगो को जरूरत से ज्यादा किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए। आज आपका स्वास्थ फिट रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा के आपको अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। आज आपका व्यापार आगे बढ़ता ही रहेगा। आपको नई योजनाओं का भरपूर लाभ मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज कोई खुशखबरी मिलेगी जिससे आप पूरा दिन उत्साहित रहेंगे द्य ऑफिस में दोस्तों के साथ पार्टी कर सकते हैं द्य दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आपके विचारों में उग्रता आएगी। हार्डवेयर के करोबारियों का दिन लाभदायक साबित होगा। लवमेट से आपको सरप्राइज मिलेगा, आपके रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लगे छात्रों को अपनी मंजिल तक पहुँचने में सफलता मिलेगी। आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े है आज आपको सम्मानित किया जाएगा। आंख की समस्या से परेशान लोग अच्छे डॉक्टर को दिखायेंगे। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है। कपड़ा व्यापारियों के काम में अनुकूलता बनी रहेगी। आपको लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। बेरोजगारों को रोजगार का मौका मिलेगा। आपको सभी रुके कार्यों में सफलता मिलेगी। छात्र पढ़ाई में रुचि लेंगे अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी समझेंगे। नए बिजनेस की शुरुआत आपके लिए फलदायी होगी। इस राशि के लोगों की आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। बाहर का ऑयली खान-पान आपके स्वास्थ को कमजोर कर सकता है।

कन्या राशिः आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आप टेक्निकल कोर्स कर रहे हैं तो आपको अच्छी जॉब मिल सकती है। आज कार्यकुशलता के दम पर आप वह उपलब्धि हासिल कर लेंगे जिसकी कभी आपने तमन्ना की थी इससे आपको ख़ुशी होगी । आज आप अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन पर जरूर अमल करें, निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज कोई भी निर्णय लेने से पहले परिवारजन की राय अवश्य लें। किसी काम को करने की उत्सुकता बढ़ेगी। आज आपका स्वास्थ्य चेतन्न रहेगा, आपके अन्दर एनर्जी भरपूर रहेगी। सरकारी जॉब वाले लोगों के प्रमोशन से जुडी अच्छी खबर जल्द मिलेगी। हर कदम पर दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। काम पर निकलते समय अचानक किसी फ्रेंड की काल आएगी, उनसे आपको महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। अपने जीवन को बेहतर ढंग से जीने का प्रयास करेंगे। काफी समय पहले कोई देखी गई प्रॉपर्टी लेने के लिए फाइनल फैसला करेंगे, घर वालों से विचार विमर्श कर लें। आपकी समस्त गतिविधियाँ आज पूरी होंगी। आज आपका आत्मबल बढ़ेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। आज का दिन आपके रिश्ते में मिठास घोलेगा। कंस्ट्रक्शन के कारोबारियों का चल रहा काम आज पूरा हो जाएगा। आज आप पूरी तरह स्वस्थ रहेंगे। आज फ़ास्ट फ़ूड को अवॉयड करें, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इस राशि के राजनीतिज्ञ कोई समारोह करने की योजना बना सकते हैं, समाज हित में काम करेंगे। पुत्र पक्ष से आपको सुख मिलेगा। शिक्षक छात्रों के डाउट क्लियर करेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज बुजुर्गों का धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। दोस्तों के साथ आज रेस्टोरेंट जाएंगे, जहां मस्ती का माहौल बना रहेगा। ऑफिस में किसी बात को लेकर मूड अपसेट हो सकता है, जहां तक होसके नार्मल रहे। आज सिर्फ सुनी सुनाई और आलोचनात्मक बातों पर ध्यान ना दें और अपनी भावनाओं व क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुंभ राशिः आज आपका दिन नॉर्मल रहने वाला है। आज आपके किसी काम की तारीफ होगी। कॉम्पटीशन की तैयारी में आपको सफलता मिलेगी। अपने अभ्यास को जारी रखें। इस राशि की जो महिलाएं अपना बिजनेस स्टार्ट करना चाहती हैं, उनके लिए आज अच्छे योग बन रहे हैं। कठिन कार्यों में भी आप हार नहीं मानेंगे, आप तरक्की के बहुत नजदीक है। मसाले युक्त खाना आप अवॉयड करें, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज भाई बहनों के साथ खूब मनोरंजन करेंगे। आस-पड़ोस के लोगों से मधुरता बनाये रखें। प्रोफेसर्स के लिए दिन लाभदायक रहेगा। बिजनेसमैन आज कोई डील साइन करेंगे जो तरक्की के साथ लाभदायक साबित होगी।

शब्द पहेली - 8344

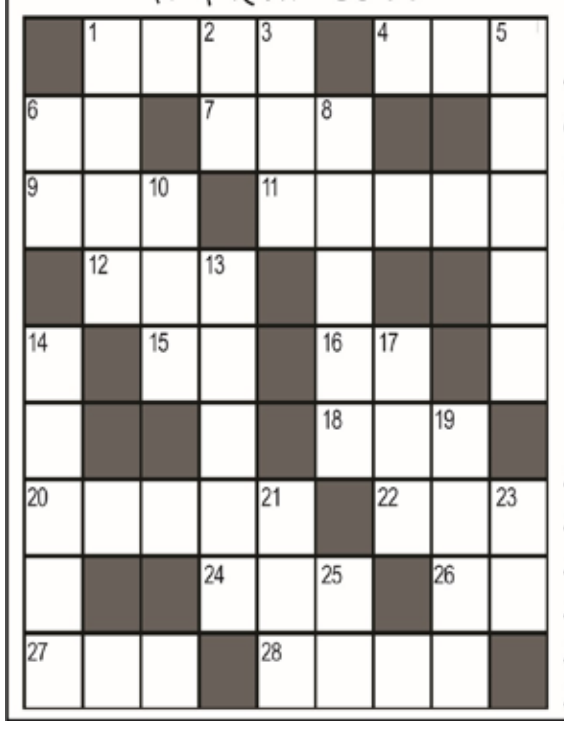

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित,संरक्षित-4
4. उत्सुकता,जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार,प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट,तश्तरी-3
15. रहस्य,भेद-2
16. जी,चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल,टोंटी-3
24. देवर्षि,देवमुनि-3
26. गुप्तचर,जासूस-2
27. गमन,विदा होना-3
28. ईश्वर,रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा,मर्जी-2
3. अंधकार,अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल,कीमत,दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार,अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम,नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत,भाव-2

शब्द पहेली -8343 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सिराज पर निशाना साधने के लिए ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों पर बरसे गावस्कर

ब्रिस्बेन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटरों की आलोचना की है। गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में मोहम्मद सिराज को निशाना बनाये जाने को लेकर ये आलोचना की है। गावस्कर के अनुसार इन क्रिकेटरों ने दोहरा चरित्र दिखाया है। दूसरे टेस्ट में ट्रेविस हेड ने शतक पूरा करने के बाद छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था। हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि 'अच्छी गेंदबाजी की लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस बात को गलत बताया। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनों खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक निकारात्मक अंक भी दिया। गावस्कर ने तंज कसा है कि सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के दिग्गजों से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वहीं दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है। उन्होंने

साथ ही कहा ससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते हैं कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया। गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते हैं। उन्होंने लिखा, 'यह लोग हालांकि अगले सत्र में की एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेंदबाज की इंग्लैंड के बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकतों को सही करार देंगे।

ब्रिसबेन टेस्ट तीसरा दिनः बारिश की लुका-छिपी के बीच भारत की खराब शुरुआत, 51 रन पर खोए चार विकेट

ब्रिसबेन। यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने केवल 51 रन पर चार विकेट खो दिये हैं।केएल राहुल 33 और कप्तान रोहित शर्मा बिना खाता खोले नाबाद हैं। इससे पहले आज ऑसेट्रेलिया की पहली पारी 445 रनों पर समाप्त हुई। बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने। हालांकि इसके बाद बारिश शुरु हो गई और लंच की घोषणा हो गई। लंच के बाद जब

मैच शुरु हुआ तो पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि इसके बाद फिर बारिश शुरु हो गई। बारिश जब रूकी तो पंत (09) के रुप में भारत को चौथा झटका लगा। पंत के आउट होने के बाद बारिश शुरु हो गई और चायकाल की घोषणा हो गई। बारिश रूकने के बाद मैच केवल 4 ओवर को ही हो सका और फिर बारिश शुरु हो गई, जिसके बाद दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। खेल की समाप्ति पर भारत ने 4 विकेट पर 51 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 33 और रोहित बिना खाता खोले नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 2, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच टेस्ट में डीआरएस लागू नहीं होगा

ब्लोमफोंटेन। क्रिकेट मैचों में आजकल डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) सभी मैचों में काफी अहम माना जाता है पर दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच होने वाले एकमात्र टेस्ट में डीआरएस लागू नहीं होगा। दक्षिण अफ्रीकी टीम 22 साल बाद अपनी घरेलू धरती पर कोई मैच खेलेगी पर उसमें ये तकनीक प्रयोग में नहीं लायी जाएगी। अफ्रीकी महिला टीम ने अपने घर पर आखिरी टेस्ट मैच भारत के खिलाफ साल कए रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ट मैच से पहले दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों की सीरीज हुई थी, जिसमें डीआरएस का इस्तेमाल किया गया था। ये तकनीक बहुत ही महंगी होती है और इसी वजह से टेस्ट में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इस तकनीक को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका

ने केवल एकदिवसीय और टी20 के मैचों के लिए ही उपलब्ध कराने का फैसला किया है। इसका कारण है कि टी20 रैंकिंग और महिला चैंपियनशिप के लिहाज से उनके लिए टी20 और एकदिवसीय अहम है। दक्षिण अफ्रीका की नेशनल टीमों और हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर एनोच नकेवे ने कहा कि रेड बॉल फॉर्मेट का विकास अहम है, यह ध्यान देने योग्य है कि वर्तमान महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एकदिवसीय और टी20 क्रिकेट के महत्व के कारण संसाधनों को लिमिटेड ओवर्स में इस्तेमाल किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही एकदिवसीय वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया था। लेकिन उसका लक्ष्य महिला चैंपियनशिप की अंक तालिका टे

अंडर-19 महिला एशिया कप में सोनम पर रहेंगी नजरें

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की सोनम यादव अब मलेशिया में होने वाले अंडर-19 एशिया कप में खेलती नजर आयेगी। बेहद कमजोर आर्थिक हालातों से निकलकर सोनम ने भारतीय टीम में जगह बनायी है। इससे पहले भी सोनम ने अंडर-19 टी20 विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था। सोनम के कोच विकास पालीवाल ने कहा कि सोनम बेहद प्रतिभाशाली है। उसके भाई ने हमसे कहा कि सोनम शुरुआत से ही क्रिकेटर बनना चाहती थीं पर उसके पास फीस भरने के लिए पैसे नहीं थे। हमारी अकादमी ने सोनम की लगन को देखते हुए उसे मुफ्त में प्रशिक्षण दिया। इसके बाद सोनम लगातार आगे बढ़ती गई और 2022 में उसे

बीसीसीआई ने अंडर-19 इंडियन चैलेंजर ट्रॉफी में अवसर मिला जिसका उसने पूरा लाभ उठाया। कोच ने कहा कि टी20 विश्व कप में खेलने का अवसर मिलने के बाद सोनम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और इंडिया की जीत में योगदान दिया था। इसके बाद अक्टूबर 2023 में बड़ोदरा में हुए महिला अंदर-19 टी20 विश्वकप में भी सोनम ने भाग लिया था।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाले शीर्ष तीरंदाजों में दीपिका, अंकिता भक्त, धीरज शामिल

जमशेदपुर। व्यस्त 2025 कैलेंडर से पहले दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, बी धीरज, अभिषेक वर्मा और अदिति स्वामी सहित देश के शीर्ष तीरंदाज सोमवार से यहां शहर के मध्य स्थित गोपाल मैदान में शुरू होने वाली साल की अंतिम राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खुद को परखेंगे। सबसे उल्लेखनीय अनुपस्थिति प्रतिष्ठित कंपाउंड तीरंदाज वी. ज्योति सुरेखा की होगी, क्योंकि एथलीट और उनकी राज्य इकाई, आंध्र प्रदेश तीरंदाजी संघ के बीच मतभेद हैं। ओलंपिक में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, दीपिका ने अक्टूबर में मैक्सिको के त्लाक्सकाला में विश्व कप फाइनल में रजत पदक हासिल करके कुछ सम्मान हासिल किया और वह साल का समापन अच्छे

नोट पर करना चाहेंगी। धीरज, जिन्होंने अंकिता के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक की मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, के लिए राष्ट्रीय स्पर्धा अगले ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियों की शुरुआत है। तीरंदाजों का पहला लक्ष्य, जिनमें से कुछ ने हाल ही में विदेशों में इनडोर स्पर्धाओं में भाग लिया है, अगले महीने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए पात्र होने के लिए अच्छी रैंकिंग प्राप्त करना होगा। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप, विश्व खेल, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से भरा कैलेंडर है।

व्यापार

शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 200 अंक टूटा, निफ्टी 24,700 पर

मुंबई। वैश्विक बाजार से मिले-जुले संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को गिरावट के साथ खुले। इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले फाइनेंशियल और आईटी स्टॉक्स में रावट की वजह के चलते बाजार में सुस्ती देखने को मिल रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 133 अंक की गिरावट के साथ 82,000.31 अंक पर खुला। इससे पिछले कारोबारी दिन यह 82,133.12 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 15 अंक की गिरावट लेकर 24,753.40 पर खुला। पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 843.16 अंक बढ़कर

82,133.12 पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 219.60 अंक बढ़कर 24,768.30 पर बंद हुआ। एशिया-प्रशांत बाजारों में सोमवार को कारोबार मिलाजुला देखने को मिल रहा है। निवेशकों का फोकस इस हफ्ते होने वाले अहम केंद्रीय बैंकों के फैसलों पर केंद्रित है। इसमें जापान का बैंक और चीन का पीपुल्स बैंक शामिल हैं। अमेरिका में फेडरल रिजर्व 18 दिसंबर को अपना फैसला सुनाने वाला है। बाजार की उम्मीदें सीएमई फेडवॉच टूल के अनुसार 25 बेसिस प्वाइंट की ब्याज दर में कटौती की ओर इशारा कर रही हैं। चीन के बाजारों में निवेशकों का फोकस नए आर्थिक आंकड़ों पर है, जिसमें नवंबर के औद्योगिक उत्पादन, रिटेल बिक्री और घरों की कीमतों के आंकड़े शामिल हैं। ये आंकड़े देश की आर्थिक दिशा को लेकर महत्वपूर्ण संकेत दे सकते हैं। एशियाई बाजारों की बात करें तो कोस्पी इंडेक्स में 0.20 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निक्केई 0.27 फीसदी ऊपर बंद हुआ। दूसरी ओर एएसएक्स 200 में 0.33 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों में डाउ जोन्स लगातार सातवें सत्र में 0.2 फीसदी गिरा, जो 2020 के बाद सबसे लंबी गिरावट है। हालांकि, नैस्डैक 0.12 फीसदी चढ़ा, और एसएंडपी 500 लगभग स्थिर रहते हुए 6,051.09 पर बंद हुआ।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली। आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' शाखा आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।यह समूह इस आईपीओ के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाना चाहता है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' इकाई आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 550 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी को आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी के इक्विटी शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का 5 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये तक के शेयरों का नया निर्गम है। कंपनी के इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण

शामिल है। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से जारी किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध इश्यू का 50 फीसदी से अधिक योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित नहीं किया जाता है। शुद्ध प्रस्ताव का 15 फीसदी और 35 फीसदी से कम हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित नहीं किया जाता है। आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज शाखा, आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी भारत में 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक स्थापित पूर्ण-सेवा ब्रोकरेज हाउस है। यह 'आनंद राठी' ब्रांड नाम के तहत ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और वित्तीय उत्पादों के वितरण सहित वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी की निवेश पेशकशों में इक्विटी, डेरिवेटिव, कमोडिटीज और मुद्रा बाजार सहित परिसंपत्ति वर्गों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

सोना-चांदी की कीमतों में फिर आई गिरावट

सोना 76922 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 93300 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में सोमवार को गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं चांदी की कीमत में भी गिरावट जारी है। पिछले बंद भाव 78147 रुपये रुपए के मुकाबले सोना घटकर 76922 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, वहीं चांदी का भाव 93300 रुपए प्रति किलो रुपये के मुकाबले घटकर 89976 रुपए प्रति किलो हो गया। पिछले हफ्ते शुक्रवार को अंतराराष्ट्रीय और घरेलू वायदा बाजार के साथ सर्राफा बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतें लुढ़कती नजर आई थीं और सोमवार को भी वायदा बाजार में दोनों ही मेटल्स के दामों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 102 रुपये की गिरावट के साथ 77,034 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। शुक्रवार को ये

77,136 पर बंद हुआ था। चांदी इस दौरान 68 रुपये की गिरावट के साथ 90,933 रुपये पर बंद हुई थी, जो कि पिछले कारोबारी सत्र में 91,001 रुपये पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना शुक्रवार को 35 डॉलर लुढ़ककर 2670 डॉलर के नीचे तो चांदी 2 फीसदी गिरकर 31 डॉलर के पास आ गई।

रुपया तीन पैसे गिरकर 84.83 डॉलर

रुपया शुक्रवार को **84.80** पर बंद हुआ था

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की गिरावट के साथ 84.83 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों और विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग के कारण रुपया कमजोर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.83 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.80 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.86 पर रहा।

भारत ने चीन से खिलौनों का आयात 80 फीसदी कम किया

निर्यात 15 करोड़ डॉलर के पार

नई दिल्ली। केवल चार वर्षों में ही भारत ने चीन से खिलौनों के आयात में 80 फीसदी की कटौती कर ली है जो एक ऐसा देश है जो लंबे समय से वैश्विक बाजार पर हावी रहा है। हाई टैरिफ और सख्त गुणवत्ता जांच के मिश्रण ने इसमें मदद की। केंद्र सरकार के वोकल फॉर लोकल कैंपेन का असर भारतीय खिलौना बाजार पर साफ दिखने लगा है। इस अभियान के चलते भारत की खिलौने के आयात में चीन पर निर्भरता में भारी कमी आई है। वित्त वर्ष 2020 में भारत ने 23.5 करोड़ डॉलर के चीनी खिलौने आयात किए थे जो अब घटकर वित्त वर्ष 2024 में 4.1 करोड़ डॉलर तक रह गए हैं। यह दिखाता है कि भारत अब खिलौनों के आयातक देश से निर्यातक देश बन चुका है। भारत में बने खिलौनों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है।

चीन-प्लस-वन पॉलिसी के तहत बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अब भारत से खिलौने खरीद रही हैं। कंपनियों जैसे हैसम्रो, मैटल, स्पिन मास्टर, और अलर्जी लर्निंग सेंटर जैसे ग्लोबल ब्रांड्स ने भारत से खिलौने खरीदने की शुरुआत की है। साथ ही कंपनियां जैसे ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास ने भी चीन से अपना फोकस भारत की ओर शिफ्ट कर लिया है। भारत में अब खिलौनों के लिए कच्चे माल का आयात 33 फीसदी से घटकर केवल 12 फीसदी रह गया है। पिछले 5-7 सालों से भारत का खिलौना निर्यात चीन से भी ज्यादा तेजी से बढ़ा है।

मिस यूनिवर्स हरनाज संधू की बॉलीवुड में एंट्री

बागी 4 में बनीं टाइगर श्रॉफ की हीरोइन

जल्द ही कई फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी। इन्हीं में से एक है बागी 4, जिसकी राह दर्शक पिछले काफी समय से देख रहे हैं।पिछले दिनों इससे टाइगर श्रॉफ का धांसू अवतार सामने आया था। बागी 4 से अब तक श्रद्धा कपूर समेत कई अभिनेत्रियों का नाम जुड़ चुका है, लेकिन बाजी मारी है मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब जीत चुकीं हरनाज संधू ने।इसी के साथ बागी 4 के लिए लीड हीरोइन की तलाश पूरी हो चुकी है। निर्माता-निर्देशक साजिद नाडियाडवाला टाइगर श्रॉफ, कृति सैनन और अहान शेट्टी के बाद अब हरनाज को बॉलीवुडमें लॉन्च करने के लिए तैयार हैं।उन्होंने सोशल मीडिया पर यह बड़ा ऐलान कर दिया है कि फिल्म बागी 4 की लीड हीरोइन के लिए हरनाज के नाम पर मोहर लग चुकी है।खास बात यह है कि मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब भी हरनाज ने 12 दिसंबर को ही जीता था और उनकी पहली फिल्म की घोषणा भी इसी दिन हुई है। बागी 4 के निर्देशन की कमान ए हर्ष ने संभाली है, जिन्होंने भजरंगी और वेधा जैसी कन्नड़ फिल्मों का निर्देशन किया है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।फिल्म से टाइगर के कई पोस्टर सामने आ चुके हैं। बागी 4 को 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।बता दें बागी 2016 में रिलीज हुई थी, वहीं इसका सीक्वल 2018 में और तीसरा भाग 2020 में आया था। तीनों ने ही बढ़िया कमाई की थी। बता दें कि हरनाज को एक्टिंग का बहुत शौक है। वह 2 पंजाबी फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं।बॉलीवुड में काम करने पर उन्होंने कहा था कि वह शाहरुख खान के साथ अपना सफर शुरू करना चाहती हैं, क्योंकि वह शुरू से ही उनके पसंदीदा अभिनेता रहे हैं।हरनाज ने यह भी कहा था कि मौका मिला तो वह निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ जरूर काम करेंगी, वहीं वह बॉलीवुड में प्रियंका चोपड़ा को अपना आदर्श मानती हैं। 70वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता का आयोजन 12 दिसंबर को इजरायल में हुआ था। इस प्रतियोगिता में हरनाज पहले स्थान पर रहीं, जो भारत के लिए बड़ा पल था, क्योंकि पूरे 21 साल बाद देश ने यह खिताब अपने नाम किया था।हरनाज मिस डीवा यूनिवर्स, 2021 और टाइम्स फ्रेश फेस मिस चंडीगढ़ 2017 भी रह चुकी हैं।उन्होंने 2018 में मिस मैक्स एमर्जिंग स्टार इंडिया का खिताब जीता था और बाद में वह फेमिना मिस इंडिया पंजाब 2019 बनी थीं।

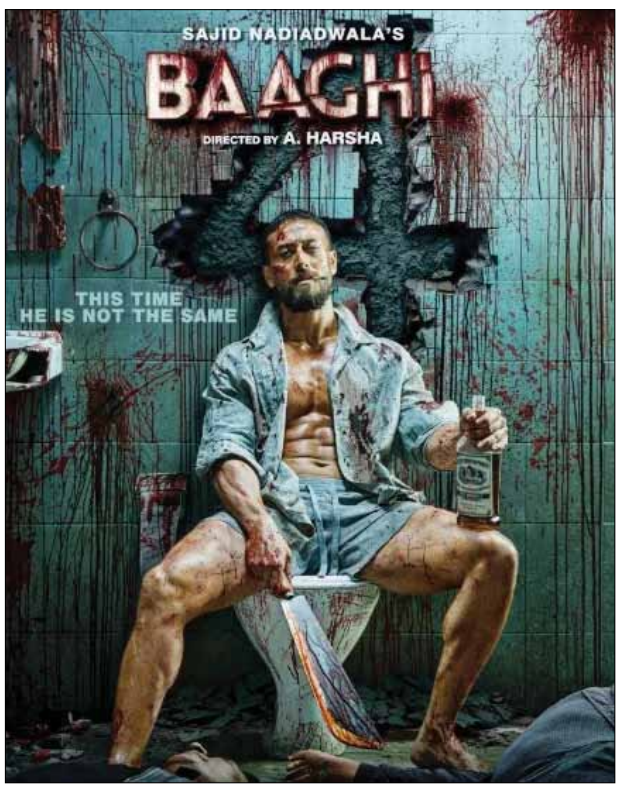

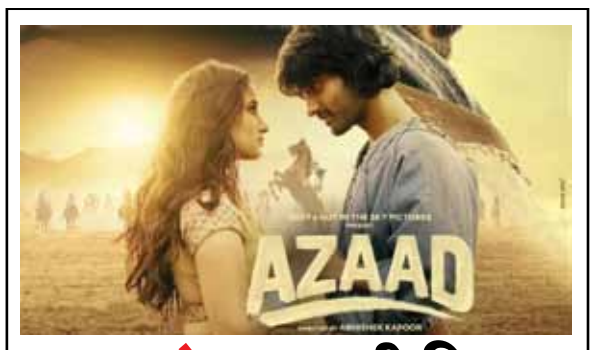

अजय देवगन की फिल्म आजाद की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

नया पोस्टर आया सामने

जनवरी 2025 में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन बहुप्रतीक्षित फिल्म आजाद के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के पोस्टर और ट्रेलर पहले ही जारी हो चुके हैं, जिसमें अमन और राशा दमदार अवतार में नजर आए थे। वहीं, अब फिल्म के निर्माताओं ने आजाद की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आज आजाद का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। फिल्म में अजय देवगन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। साथ ही राशा थडानी और अमन देवगन भी नजर आए। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है। अजय देवगन ने भी फिल्म का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, इस कहानी का दिल एक योद्धा है, और धडक़न। आजाद, 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रोमांच का गवाह बनें। अब प्रशंसक बेहद उत्साहित हो गए हैं और सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कर रहे हैं। वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो स्वतंत्रता-पूर्व भारत में सेट आजाद में अजय देवगन एक कुशल घुड़सवार की भूमिका में हैं, जिसका अपने घोड़े से गहरा संबंध है। कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब अजय का सामना कठोर अंग्रेजी सेनाओं से होता है और अराजकता के दौरान उनका प्रिय घोड़ा गायब हो जाता है। खोए हुए घोड़े को खोजने की जिम्मेदारी अमन देवगन के किरदार पर आती है। इससे पहले आजाद के बारे में बात करते हुए अजय देवगन ने कहा था कि राशा और अमन की फिल्म में मेरी भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ट्रेलर रिलीज हो चुका है और लोग इसे पसंद कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह बहुत मेहनती लडक़ा है। फिल्म का निर्माण उद्योग के दिग्गज रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर ने किया है। अब यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

रजनीकांत की फैंस को धांसू बर्थडे ट्रीट, फिल्म कुली से चिकिटू सॉन्ग का प्रोमो रिलीज कर थलाइवा ने सेलिब्रेट किया जन्मदिन

जनीकांत ने अपने 74 वां बर्थडे के मौके पर फैंस को सरप्राइज दी. जिसे पूरा करते हुए उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कुली से कूल वाइब दे रहे सॉन्ग चिकिटू का प्रोमो रिलीज कर दिया है. कुली सुपरस्टार के लिए एक और खास फिल्म है. यह एक एक्शन-थ्रिलर है जिसमें रजनीकांत के साथ नागार्जुन, उपेन्द्र, सौबिन शाहिद, श्रुति हासन और सत्यरण समेत शानदार स्टार कास्ट शामिल है. मेकर्स ने अभी तक फिल्म की ऑफिशियल रिलीज की डेट अनाउंस नहीं की है. लेकिन 2025 में फिल्म के रिलीज होने की संभावना है. मेकर्स ने रजनीकांत के बर्थडे को और भी ज्यादा खास बनाने का फैसला किया और इसी के चलते मेकर्स ने फिल्म से नए गाने चिकिटू का प्रोमो रिलीज कर फैंस को खुश कर दिया. गाने का प्रोमो रिलीज करते हुए मेकर्स ने कैप्शन लिखा, साउंड अह येथू, देवा वरार, सेलिब्रेट सुपरस्टार, कुली की चिकिटू वाइब के साथ सुपरस्टार रजनीकांत का बर्थडे सेलिब्रेशन. लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित, कुली पहले से ही मोस्ट अवेटेड फिल्म के रूप में चर्चित है. फिल्म की शूटिंग फिलहाल जयपुर में हो रही है जहां रजनीकांत के साथ आमिर खान भी पहुंचे हुए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आमिर खान का कुली में कैमियो है. कुली की की जर्नी सितंबर 2023 में शुरू हुई थी, जब इसे पहली बार वर्किंग टाइटल थलाइवर 171 के साथ अनाउंस किया गया था. अप्रैल 2024 में प्रोडक्शन शुरू होने से कुछ समय पहले इसे आधिकारिक तौर पर कुली नाम दिया गया था. कुली की शूटिंग हैदराबाद में पहले शेड्यूल के साथ शुरू हुई, उसके बाद विशाखापत्तनम में दूसरा शेड्यूल और अब टीम जयपुर में शूटिंग कर रही है. फैंस 2025 में रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. बता दें इसमें म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर देंगे और फिलोमिन राज एडिटिंग का काम संभालेंगे.

सलमान खान के साथ काम कर सातवें आसमान पर रश्मिका मंदाना, बोलीं- सपना सच हो गया

पिछले कुछ समय से अभिनेता सलमान खान अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।इस फिल्म में सलमान की जोड़ी साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। दोनों सितारे फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं।अब रश्मिका ने सलमान की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। रश्मिका ने कहा, यह बिल्कुल एक सपने के सच होने जैसा है। वह बहुत खास व्यक्ति हैं और बेहद विनम्र और जमीन से जुड़े हुए हैं।उन्होंने आगे कहा, जब हम सिकंदर की शूटिंग कर रहे थे, तब एक दिन सेट पर मेरी तबीयत ठीक नहीं थी। जैसे ही उन्हें मेरी तबीयत के बारे में पता चला तो उन्होंने मेरा खूब ध्यान रखा। उन्होंने क्रू से भी मेरा खास ध्यान रखने को कहा। रश्मिका ने सलमान की तारीफ करते हुए आगे कहा, वह आपको खास महसूस कराते हैं। मेरा मतलब है वह देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, लेकिन वह बहुत विनम्र हैं।फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता साझा करते हुए रश्मिका ने कहा, मैं सिकंदर को लेकर वाकई उत्साहित हूं। यह से मेरी पहली हिंदी कमर्शियल फिल्म है, जो मेरे लिए बहुत खास है। मैं इंतजार नहीं कर सकती।यह फिल्म ईद, 2025 के मौके पर रिलीज होगी।

फिर क्वीन बनेंगी कंगना रनौत, इमरजेंसी की रिलीज से पहले लगी सीक्वल पर मुहर

कंगना रनौत की क्वीन आज भी लोगों के जहन में बसी हुई है इसी फिल्म से कंगना को बॉलीवुड की क्वीन का टैग भी मिला. ये फिल्म लोगों को इतनी पसंद आई थी कि सबने इसके सीक्वल की खूब डिमांड की. अब आखिरकार इसके डायरेक्टर विकास बहल ने सीक्वल को कंफर्म कर दिया है. इससे कंगना रनौत के फैंस के बीच खुशी की लहर है. विकास बहल ने चिल्लर पार्टी, क्वीन, सुपर 30, शैतान जैसी यादगार फिल्में बनाई हैं. जहां उनकी फिल्मों ने दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है, वहीं रानी के रूप में अपनी यादगार भूमिका को दोहराते हुए कंगना रनौत की क्वीन के सीक्वल की अटकलें चल रही थीं जो अब सच हो गई हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में विकास बहल ने ऑफिशियली पुष्टी की है कि क्वीन 2 पर काम चल रहा है. उन्होंने कहा, हम पिछले कुछ समय से क्वीन 2 पर काम कर रहे हैं और आखिरकार हमारे पास कुछ बताने को है. हालांकि उन्होंने सीक्वल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी. लेकिन इस कंफर्मेशन से कंगना के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है. पिछले साल, विकास ने हिंट दिया था कि सीक्वल पर काम चल रहा है और कंगना रनौत अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगी. जिस पर रिएक्शन देते हुए कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, हां. अब 2024 में क्वीन के 10 साल पूरे होने पर विकास ने इसके सीक्वल के बारे में पुष्टी की है. उन्होंने इंटरव्यू में कहा, क्वीन की रिलीज को दस साल होने जा रहे हैं, लेकिन जितने लोग मुझसे क्वीन 2 के बारे में पूछते रहते हैं, उससे मुझे ऐसा लगता है जैसे फिल्म कल ही रिलीज हुई हो. उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमने वास्तव में अपनी कहानी लिखना समाप्त कर दिया है. इसलिए, हां सीक्वल बनना बनेगा. फिल्म मेकर ने इस बात पर जोर दिया कि सीक्वल को जल्दबाजी में नहीं बनाया गया, क्योंकि वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट ओरिजिनल फिल्म के साथ न्याय करे. उन्होंने हंसते हुए कहा, ना शोहरत, ना पैसा, बस प्यार में ही चल रहा है मेरा. उन्होंने कहा, फिल्म अच्छी होगी तो हम पैसा तो कमा ही लेंगे लेकिन एक अच्छी कहानी होना बहुत जरुरी है. 2014 में रिलीज हुई क्वीन को भारतीय सिनेमा की एक ऐतिहासिक फिल्म माना जाता है.

President Murmu, Vice President and top leaders including PM Modi paid tribute to soldiers on Vijay Diwas

New Delhi:. On this day in 1971, the Pakistani army surrendered in front of the bravery of the Indian Army, which led to the independence of Bangladesh. On this occasion, President Draupadi Murmu, Vice President Jagdeep Dhankhar, Prime Minister Narendra Modi, Defense Minister Rajnath Singh, Home Minister Amit Shah and other dignitaries paid tribute to the soldiers martyred in this war. President Draupadi Murmu wrote in a post on social media on Vijay Diwas on Monday, On Vijay Diwas I pay tribute to our brave soldiers who displayed indomitable courage during the 1971 war and achieved victory for India. A grateful nation remembers the ultimate sacrifice of our brave hearts whose stories inspire every Indian and will remain a source of national pride. Vijay Diwas for the 1971 Liberation War is celebrated across the country on 16 December. It is celebrated to commemorate India's victory against Pakistan in the 13-day war. Bangladesh became independent after Pakistan signed the surrender document in Dhaka.

It was earlier known as East Pakistan. On this occasion, Vice President Jagdeep Dhankhar wrote on Twitter, On Vijay Diwas, we pay tribute to the martyrs of the 1971 war and honor the unparalleled valor of our armed forces. Their valor and selfless sacrifice, which led to a historic victory, will continue to inspire every Indian. We will always be indebted to their service to the nation. Prime Minister Narendra Modi today greeted the brave soldiers on the occasion of Vijay Diwas. In a post on Twitter, he wrote, "Today on Vijay Diwas, we honour the courage and sacrifice of the brave soldiers who contributed to India's historic victory in 1971.

Their selfless dedication and unwavering resolve protected our nation and brought us glory. This day is a tribute to their extraordinary valour and their unflinching spirit. Their sacrifice will always inspire generations and remain deeply embedded in the history of our country." Defence Minister Rajnath Singh paid tribute to the Indian soldiers at the War Memorial on Vijay Diwas. Home Minister Amit Shah also paid tribute.

Leader of Opposition Rahul Gandhi also paid tribute to the martyred soldiers. He wrote on Twitter, "On the glorious occasion of Vijay Diwas, I salute the valour, dedication and resolve of our armed forces. The country will always remember the indomitable courage and supreme sacrifice of all the soldiers of the 1971 war who freed Bangladesh from injustice while protecting the sovereignty of India. President Draupadi Murmu on Sunday attended an at-home reception hosted by Army Chief General Upendra Dwivedi at Army House. Vice President Jagdeep Dhankhar, Defence Minister Rajnath Singh and Chief of Defence Staff General Anil Chauhan were also present on the occasion. According to reports, 3,900 Indian soldiers were killed and 9,851 were injured during the 1971 war. Meanwhile, India and Bangladesh will jointly celebrate the 53rd anniversary of the Vijay Diwas of the 1971 Indo-Pakistani War today, with an annual exchange of war veterans and serving officers.

Discussion on Constitution in Parliament, Nirmala Sitharaman's big attack on Congress

New Delhi: After a heated debate on the Indian Constitution in the Lok Sabha, a two-day discussion on this subject began in the Rajya Sabha today (December 16). Union Finance Minister Nirmala Sitharaman started it by launching a scathing attack on the Congress and former Prime Minister Jawaharlal Nehru. She alleged that the Congress is repeatedly amending the Constitution to restrict civil liberties. She also talked about amending the Constitution to protect Indira Gandhi. Finance Minister Sitharaman said, in the last 7 decades, this living document i.e. our Constitution has seen many amendments. The first amendment under the interim government of former Prime Minister Nehru had curbed freedom of expression. She further said, this first amendment was made to harm press freedom and it is still affecting the freedom of the media. Prime Minister Nehru made this amendment despite opposition from MPs. Sitharaman said, the 39th Constitutional Amendment passed during the Emergency was implemented retrospectively because the then Prime Minister Indira Gandhi was afraid of losing power. Congress shamelessly continued to amend the Constitution to help the family and dynasty. The purpose of the amendments was not to strengthen democracy but to protect those in power. She said, Congress amended the Constitution during that time only to save Indira Gandhi's power. Sitharaman said, Congress cut down on freedom of expression by making amendment in 1951. After this, in 1975, despite Raj Narayan's case being pending in Allahabad High Court, Congress added a provision through the 39th amendment that the election of the President, Vice President and Prime Minister cannot be challenged in the court. For this reason, 'Kissa Kursi Ka' was banned. All this was a well-planned conspiracy of Congress. Sitharaman said, Congress amended the preamble of the constitution and added the words secular and socialist. This was done by putting the entire opposition in jail. Some of their members in the Lok Sabha also opposed it. She said, Congress made the 42nd constitutional amendment by putting the opposition members in jail. Later in 1978, the 44th amendment was brought by the Morarji Desai government to remove the provisions of the 42nd amendment. Referring to the Shah Bano case, Sitharaman said that the Supreme Court had ordered justice for a Muslim woman, but the Congress made a new law against it saying that the woman should not get justice. This is a matter of great concern. Apart from Sitaranam, Home Minister Amit Shah, Hardeep Singh Puri, Sudhanshu Trivedi, Bhupendra Yadav and Brijlal will participate in the debate from the ruling side. From the opposition side, Congress President Mallikarjun Kharge, Jairam Ramesh, Digvijay Singh and other MPs are expected to participate in the debate. Prime Minister Narendra Modi will give his reply in the House on Tuesday. However, in the meantime, there may be uproar over the no-confidence motion.

There will be a debate on the Constitution in the Rajya Sabha amid the no-confidence motion against the Chairman

New Delhi: After a heated debate on the Constitution in the Lok Sabha, the subject will be discussed in the Rajya Sabha on Monday and Tuesday. The debate on the Constitution in the Rajya Sabha is taking place amid the no-confidence motion brought against Chairman Jagdeep Dhankhar, which has increased the possibility of tension. On behalf of the ruling party, BJP President JP Nadda will start the debate after the House begins at 11 am. Union Home Minister Amit Shah will also present his views on the Constitution. Apart from Shah, Nirmala Sitharaman, Hardeep Singh Puri, Sudhanshu Trivedi, Bhupendra Yadav and Brijlal will participate in the debate from the ruling side. From the opposition side, Congress President Mallikarjun Kharge, Jairam Ramesh, Digvijay Singh and other MPs are expected to participate in the debate. Prime Minister Narendra Modi will give his reply in the House on Tuesday. However, in the meantime, there may be uproar over the no-confidence motion. On the 75th anniversary of the implementation of the Constitution in the country, the opposition had demanded a debate on the Constitution during the winter session of Parliament, which was accepted by the government. Earlier, the opposition was aggressive in the House regarding industrialist Gautam Adani, Manipur and Sambhal violence and was demanding a debate. During this, the House was disrupted. After this, the ruling party surrounded the opposition by raising the issue related to George Soros and Sonia Gandhi.

There was a debate on the Constitution in the Lok Sabha on 13 and 14 December, which was started by Defense Minister Rajnath Singh. After this, Priyanka Gandhi responded on behalf of the opposition. The opposition accused the BJP-led ruling government of destroying the Constitution. After this, on December 14, Prime Minister Modi, while responding in the Lok Sabha, accused the Congress of destroying the Constitution for political gain. The debate on the Constitution in the Rajya Sabha is taking place at a time when the opposition has brought a no-confidence motion against Chairman Dhankhar and the opposition is united on the issue.

The opposition has alleged that the Chairman is being biased in the Rajya Sabha and is trying to suppress the voice of the opposition. There may be a controversy over this motion during the debate on the Constitution on Monday. However, the opposition is in favor of conducting the debate peacefully.

Priyanka Gandhi reached Parliament with a bag written Palestine

New Delhi: A picture of Congress MP Priyanka Gandhi Vadra is going viral on social media. In which once again her love for Palestine is visible. During the winter session of Parliament, Priyanka Gandhi arrived on Monday with a bag on which Palestine is written. The symbol of peace is also made on this bag with a white dove and watermelon. Congress MP Priyanka Gandhi has given a direct message through the bag that she stands in support of Palestine. However, this is not the first time that Priyanka Gandhi has supported Palestine. Earlier, she has raised her voice in favor of Palestine many times. Not only this, Priyanka Gandhi had also advocated the Indian government to stand with Palestine. Now there is a political uproar over this bag of Priyanka Gandhi. This photo of her is going viral on social media platforms. Social media users are making different comments on this. A user named Shivam Tyagi wrote, Priyanka Gandhi has reached the Parliament carrying a bag of Palestine support, what would you like to say? Another user wrote, Today Priyanka Gandhi arrived at the Parliament with a bag with Palestine written on it. It is clear that Congress is concerned about Muslims from such a faraway place, not about the neighbouring Hindu Bangladeshis. If you still cannot identify, then you will never. A user named Purohit wrote, Priyanka Gandhi in support of Palestine. Looks like there might be an alliance with Owaisi. Recently, Priyanka Gandhi met Palestinian Ambassador to Palestine Abed Elrazeg Abu Jazar at his residence. During this, he congratulated Priyanka Gandhi on her victory in the Lok Sabha by-election from Wayanad, Kerala. During the meeting with the ambassador, she condemned the actions of the Israeli army in Gaza. Earlier, Congress General Secretary Priyanka Gandhi had also posted on social media platform X in support of Palestine on New Year 2024. She wrote, As we celebrate the beginning of a new year and wish each other that love, peace, laughter and goodness fill our lives. Let us remember our brothers and sisters in Gaza who are facing the most unjust and inhumane attack on their right to life, dignity and freedom. While our children are celebrating, their children are being mercilessly murdered. The so-called leaders of the world watch silently and continue to move forward unperturbed in their pursuit of power and greed. Yet there are millions of ordinary people who are raising their voices demanding an end to the terrible violence taking place in Gaza and these millions of brave-hearted people have brought us hope for a new tomorrow. Be one of them.

Travelling by train may become expensive! Parliamentary committee recommends increase in fare

New Delhi: Indian Railways plays an important role in national integration and is also called the lifeline of the economy. In the last few years, the railways have expanded its network to the most remote parts of the country. Currently, it is the fourth largest rail network in the world. In its report presented in the Lok Sabha last week, the Parliamentary Standing Committee asked the ministry to review its passenger fares on various trains. The committee said that the net revenue of Indian Railways has been low in FY23 and FY24. The committee also said that the net revenue for FY25 has been budgeted at an estimated Rs 2,800 crore. Indian Railways is making efforts to increase traffic revenue. The revenue of Indian Railways in the financial year 2023-24 was Rs 2,56,093 crore, which is 6.6 percent more than the previous financial year. The Ministry of Railways said in a statement, "Schemes like running of special trains, increase in onboard capacity, introduction of flexi-fare scheme in premium trains, graded discounts in low occupancy classes and segments, periodic review of reservation quota wherever necessary, alternative train accommodation known as Vikalp have also been expanded to increase passenger revenue with the aim of ensuring better utilization of available facilities. It further said that several measures have also been taken to increase freight and non-fare revenue, such as Gati Shakti Cargo Terminal Policy, Revised Engine On Load Policy, Wagon Investment Schemes, Launch of Goods Shed Rating Dashboard, E-Auction Policy for Commercial Income and Non-Fare Revenue Contracts and Joint Parcel Product-Rapid Cargo Service (JPP-RCS) etc. According to the report, Indian Railways said that improving the operating ratio has always been its priority. Railways said that there is a need to take measures to increase income and control expenses. Currently, due to various initiatives, its operating ratio improved to 98.43 percent in the financial year 2023-24. These efforts include various initiatives aimed at increasing passenger revenue by ensuring utilisation of the available facilities, running of special trains, augmentation of capacity in trains, introduction of flexi-fare scheme in premium trains and concessions in low-occupancy classes and sections and provision of unreserved fare of AC Chair Car and Second Class for AC-3 category coaches and Sleeper category coaches on low-occupancy sections, periodic review of reservation quotas, expansion of Alternate Train Facility Scheme known as Vikalp, etc., the railways said in a statement. According to the report, the committee found that the main reason behind this situation is the low revenue from the passenger segment. The committee said, the budget estimate of passenger revenue for the year 2024-25 has been kept at Rs 80,000 crore, while the freight revenue estimate is Rs 1,80,000 crore. The committee believes that to increase the net revenue of Indian Railways, it is most important to increase its income from the passenger segment. The Parliamentary Standing Committee on Railways also said that it is aware that Indian Railways is the main mode of transport for crores of poor people in the country and in view of social service obligations, it incurs losses by charging fares below cost. However, the committee believes that Indian Railways needs to comprehensively review its passenger fares across various trains and classes. The committee believes that travelling in the general class should remain affordable for the common man, but at the same time the committee urges the Indian Railways to review its revenue in respect of the AC class and link it with the costs incurred to reduce losses in the passenger class.

Dense fog is expected in many states

New Delhi: The Indian Meteorological Department (IMD) has predicted that cold wave may increase the cold in central and northwestern India including North India in the next 2 days. The IMD estimates that severe cold wave conditions may be seen in different parts of Madhya Pradesh, while cold wave is likely in Haryana, Chandigarh, Delhi, Jammu and Kashmir, Ladakh, Gilgit-Baltistan, Muzaffarabad, Himachal Pradesh, Punjab, Uttar Pradesh, Rajasthan, Vidarbha. Dense fog will also trouble many of these areas. In many states of the country, the minimum temperature has gone below 8 degrees, while the maximum temperature is around 20 degrees. According to the IMD, severe cold wave conditions arise when the minimum temperature goes down to 2 degrees or below.

Sri Lankan President Anara Kumara Dissanayake arrived at Rashtrapati Bhavan

New Delhi: Sri Lankan President Anara Kumara Dissanayake arrived in New Delhi on Sunday on his first foreign tour. He will stay here till December 17. On Monday, President Draupadi Murmu and Prime Minister Narendra Modi welcomed him at Rashtrapati Bhavan. During this, he was given a guard of honor. The Sri Lankan President will hold extensive talks with Prime Minister Modi on Monday. As soon as he reached Delhi on Sunday, he held discussions with Foreign Minister S Jaishankar and National Security Advisor Ajit Doval. The meeting between President Dissanayake and Prime Minister Modi on Monday is likely to focus on trade, investment, energy, maritime security and issues related to the Tamil community. He will participate in a business event in Delhi to promote investment and commercial relations between India and Sri Lanka and he is also scheduled to visit Bodh Gaya.

Let us tell you that on September 22, leftist leader Dissanayake won the Sri Lankan presidential election. Janatha Vimukthi Peramuna (JVP) leader Dissanayake defeated the National People's Power, a coalition of leftist parties, in the election, which is considered anti-India. Dissanayake's first foreign visit after winning the election to India reflects his traditional policy, which has been followed by Sri Lankan presidents in the past as well. The visit is also an attempt to cool down the claims of JVP's close ties with China and being anti-India.

Conspiracy to terrorize Manipur failed again, security forces seized shells from Kangpokpi

Imphal: Violence has been continuing in the northeastern state of Manipur for the last one and a half years. However, incidents of violence have decreased in the state in recent times. But in the meantime, conspiracies to carry out criminal acts are constantly being hatched in the state. But the security personnel deployed in the state are foiling all these conspiracies every day. One such case has come to light once again from Manipur. In fact, security forces have seized a large number of weapons and ammunition from Kangpokri in Manipur. Police said on Monday that security forces conducted a search operation in Kangpokpi district of Manipur. During this, a huge cache of arms and ammunition was seized. He said that a joint team of central and state security forces seized arms and ammunition in L Jangnomphai and Freedom Hill on Sunday. The arms and ammunition seized from the area during the searc Conspiracy to terrorize Manipur failed again, security forces seized shells from Kangpokpi Imphal, December 16 (RNS). Violence has been continuing in the northeastern state of Manipur for the last one and a half years.